/rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

Happy Father's Day

राजस्थान पत्रिका SUNDAY

वर्ष : 19 | अंक : 323 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | नई दिल्ली, रविवार, 16 जून, 2024 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है।

patrika.com

SUNDAY GUEST EDITOR संडे गेस्ट एडिटर @ वुमन

आत्मविश्वास और हिम्मत से बदल सकते हैं तकदीर

आधी आबादी की सोच को अखबार में उतारने के लिए पत्रिका की पहल संडे वुमन गेस्ट एडिटर के तहत आज की गेस्ट एडिटर श्वेता परमार हैं। आप देश की चौथी लाइसेंसशुदा महिला स्काइडाइवर हैं। आप स्काइडाइविंग के जरिए पर्यावरण जागरूकता व अन्य मुद्दों के लिए भी काम करती हैं। आप एंटरप्रेन्योर भी हैं और स्काइडाइविंग में बच्चों को प्रशिक्षण भी देती हैं। आपका मानना है कि यदि खुद पर विश्वास और हिम्मत हो तो व्यक्ति अपनी किस्मत खुद बदल सकता है। हो सकता है पहले आपके प्रयासों को स्वीकार न किया जाए, लेकिन आपकी उपलब्धियां लोगों की सोच बदल सकती हैं। उन्हें गर्व का अहसास करा सकती हैं।

- **300** से ज्यादा अब तक कर चुकी हैं जम्प
- **आठ** हजार फीट से हॉट एयर बैलून जम्प की थी रूस में। आजादी के अमृत महोत्सव पर फ्लैग जम्प भी की थी।

*पत्रिका में **संडे गेस्ट एडिटर** के रूप में उन पिताओं की कहानियों को चुना है जिन्होंने समाज से अलग अपनी बेटियों के सपनों को उड़ान दी। उन्हें जीवन में कुछ कर गुजरने की प्रेरणा दी।*
-श्वेता परमार, स्काइडाइवर व एंटरप्रेन्योर, वडोदरा

संडे वुमन गेस्ट एडिटर की पहल आपको कैसी लगी। अपने सुझाव हमें बताएं। वॉट्सऐप नंबर/ई-मेल पर भेजें- **8955003879/** sunday@in.patrika.com

संडे गेस्ट एडिटर की थीम स्टोरीज पढ़ें अंदर के पेजों पर

दांपत्य जीवन में नया 'वो' : दुनियाभर के वैज्ञानिक ह्यूमनॉइड्स रोबोट को इंसान के करीब लाने में जुटे

पति-पत्नी के बीच आ सकता है रोबोट?... विज्ञान कहता है- 'हां'

अरुण कुमार
patrika.com

जयपुर. यह सवाल कि क्या ह्यूमनॉइड्स रोबोट रोमांटिक रिश्तों, मानवीय संवेदनाओं या फिर पति-पत्नी का स्थान ले लेंगे। व्यावहारिक रूप से इसे नकारने के हजार कारण हैं लेकिन, वैज्ञानिक इस बात को सच साबित करने में जुटे हैं। उनका कहना है कि आगामी 20 साल में लोग अपनी पसंद की महिला या पुरुष रोबोट से अंतरंग संबंध बनाएंगे व शादी करेंगे। नीदरलैंड में मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) शोधकर्ता डॉ डेविड लेवी ने शोध में कहा है कि वर्ष 2050 तक मैसाचुसेट्स इंसान और रोबोट के विवाह को वैधता देने वाला पहला राज्य होगा। अपनी थीसिस 'कृत्रिम सहभागियों के साथ अंतरंग संबंध' में लेवी ने लिखा है कि रोबोट दिखने, कार्य व व्यक्तित्व में बिल्कुल मानव जैसे हो जाएंगे।

शेष @ पेज04

20 साल में लोग अपनी पसंद के महिला या पुरुष रोबोट से शादी ख्वाब देखने लगेंगे

2050 तक अमरीका का मैसाचुसेट्स इंसान-रोबोट के विवाह को दे सकता है मान्यता

अमरीका-जापान में रोबोट पर बढ़ी निर्भरता

ह्यूमनॉइड्स एआइ रोबोट खेती, कारखानों में काम, मकान बनाना, खाना बनाना, घरों में झाड़ू-पोंछा, बच्चों की पढ़ाई और मनोरंजन तक करा रहे हैं। चीन और जापान में अस्पतालों में नर्स रोबोट मरीजों का ध्यान रखते हैं। मानवीय संबंधों में जिस तरह रोबोट का दखल बढ़ रहा है, कुछ भी असंभव नहीं है।

महिला रोबोट में कृत्रिम गर्भ पर हो रहा काम

बोस्टन डायनेमिक्स नामक कंपनी सबसे बेहतरीन और प्रखर मेधा वाले ह्यूमनॉइड्स रोबोट डिजाइन कर रही है। कंपनी में वैज्ञानिक महिला रोबोट में आइवीएफ की तरह कृत्रिम गर्भ विकसित करने में जुटे हैं। वे वास्तविक बच्चेदानी की तरह कृत्रिम बच्चेदानी को डेवलप कर रहे हैं। इसमें बॉडी टेंपरेचर के साथ कई तरह के हार्मोंस पर प्रयोग किया जा रहा है।

इंसान-रोबोट संबंधों के पक्ष मे तर्क

वैज्ञानिकों के अनुसार महिला या पुरुष रोबोट बिना छुट्टी सेवा में उपलब्ध रहेगा। लोग अपने सपनों की लड़की (ड्रीमगर्ल) को जरूरत के हिसाब से प्रोग्राम कर सकते हैं। रोबोट पति या पत्नी बीमार और बूढ़े नहीं होंगे। आप प्रेमी-प्रेमिका के रूप में रोबोट से ऊब जाएं तो दूसरा चेहरा डिजाइन करवा सकेंगे।

इंसान-रोबोट संबंधों के खिलाफ तर्क

सामाजशास्त्री रोबोट और इंसान के संबंधों के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना है कि मशीन कभी मानवीय नहीं हो सकती। परिवार में पति-पत्नी, बच्चों के साथ जो आत्मीयता होती है वो रोबोट से कहां आएगी? जिनकी शादी नहीं हुई रोबोट भले उनका जीवन कुछ आसान कर सकता है, लेकिन परिवारिक सुख शायद ही दे पाए। विज्ञान हर बार सृष्टि को चुनौती देता और बार-बार धोखा खाता है।

पापा के साथ सुपर सेल्फी

भेजने का अंतिम मौका आज

फादर्स डे पर अपने पिता को दें यादगार पल। **पिता के साथ इस गौरवमयी पल की सेल्फी/फोटो और समर्पित मैसेज वॉट्सऐप नंबर 9829231348 पर आज शाम 5 बजे से पहले शेयर करें।** इसमें पापा और अपना नाम जरूर लिखें। चयनित को प्रकाशित किया जाएगा।

साथ ही पापा को स्पेशल ग्रीटिंग कार्ड देने के लिए दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

नीट में गड़बड़झाला : संगठित अंतरराज्यीय गिरोह शामिल

बिहार पुलिस की जांच कर रही पेपर लीक का इशारा

गिरोह से एडमिट कार्ड, पोस्ट-डेटेड चेक और प्रमाण पत्र जब्त किए गए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में हुई गड़बड़ियों के रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। कुछ गड़बड़ियों को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में मान लिया है पर पेपर लीक के आरोपों को उसने सिरे से खारिज कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साफ कह दिया है कि पेपर लीक जैसी कोई बात नहीं हुई है। दूसरी तरफ, बिहार में चल रही पुलिस जांच लगातार पेपर लीक की तरफ इशारा कर रही है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) इस मामले की जांच कर रही है। ईओयू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एनएच खान ने कहा कि 'पेपर लीक होने के काफी संकेत मिले हैं। हमने एनटीए से कई सवाल पूछे थे।

शेष @ पेज04

विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी

नई दिल्ली. परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में रैली निकालते एनएसयूआइ कार्यकर्ता।

असली से पहले कराई थी डमी परीक्षा

ईओयू के अधिकारी ने बताया, 'इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए 13 लोगों में से 4 अभ्यर्थियों ने नीट की परीक्षा दी थी। बाकी गिरोह के सदस्य हैं, जिन्होंने कथित तौर पर एक स्कूल में परीक्षा से पहले 35 अभ्यर्थियों को इकट्ठा किया और एक डमी परीक्षा आयोजित की। कथित तौर पर उन्हें वहां उत्तरों के साथ नीट प्रश्न-पत्र प्राप्त हुआ।' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उस स्कूल से जले हुए प्रश्नपत्रों के अवशेष बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से एक, गया निवासी नीतीश को बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में पहले भी गिरफ्तार किया गया था।

हिसाब बराबर : अब नायडू सरकार ने रेड्डी का अवैध निर्माण गिराया

हैदराबाद. आंध्र प्रदेश में नई सरकार के गठन के तीन दिन बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई। नगर निगम ने शनिवार को लोटस पॉन्ड इलाके में रेड्डी के आवास के सामने बने अवैध निर्माण पर आम लोगों को होने वाली असुविधा का हवाला देते हुए बुलडोजर चला दिया। सियासी गलियारों में इस कार्रवाई को 2019 में चंद्रबाबू नायडू के अवैध निर्माण पर की गई कार्रवाई से जोड़ते हुए 'हिसाब बराबर' होने की चर्चा है। तब रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद नायडू के आवास पर बनाई गई अवैध प्रजा वेदिका को ध्वस्त करवा दिया था।

सावधानी

11 देशों में पोलियो, बढ़ा, बगैर टीके भारत में प्रवेश रोका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने पोलियो प्रभावित 11 देशों की यात्रा से पूर्व टीकाकरण अनिवार्य किया है। बगैर टीकाकरण प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के प्रवेश पर रोक लगाने के साथ ही निगरानी शुरू कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुराने नियम में संशोधन करते हुए यात्रियों के लिए ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) के अलावा इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) को भी मान्यता दी है। यह खुराक यात्रा से कम से कम चार सप्ताह पहले लेना अनिवार्य है। दोनों में से किसी भी एक टीके की खुराक का प्रमाणपत्र मान्य होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य महानिदेशालय के मुताबिक आगामी समय में देशों की सूची में संशोधन भी किया जा सकता है।

इन देशों की बढ़ाई निगरानी: अफगानिस्तान, सीरिया, कैमरून, नाइजीरिया, मलावी, पाकिस्तान, सोमालिया, कांगो, डीआर कांगो, मोजाम्बिक, मेडागास्कर।

बयान : केंद्रीय मंत्री बोले- सेमीकंडक्टर क्षेत्र रणनीतिक, भविष्य में सतर्क रहूंगा

3.29 करोड़ की एक नौकरी! कंपनी को सब्सिडी पर सवाल उठा कर पलटे कुमारस्वामी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कंपनियों को ज्यादा सब्सिडी देने और उनसे कम रोजगार पैदा होने पर सवाल उठाया है। गुजरात में एक सेमीकंडक्टर कंपनी को करीब 16000 करोड़ रुपए की सब्सिडी देने और बदले में 5000 लोगों को रोजगार देने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक नौकरी करीब 3.20 करोड़ रुपए के बदले मिल रही है। हालांकि शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन में कही इस बात से कुमारस्वामी शनिवार को पलट गए। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया, उन्होंने गुजरात का नाम ही नहीं लिया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश लाना देश की रणनीति का हिस्सा है और इसकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में ज्यादा सतर्क रहेंगे। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री बनने के बाद निर्वाचन क्षेत्र मंड्या में आयोजित एक सभा में कुमारस्वामी ने कहा कि देश में बेरोजगारी एक मुद्दा है। अभी वे मंत्रालय के कामकाज को समझ रहे हैं जिसमें 15-20 दिन लगेंगे। बाद में मैं रोजगार सृजन के लिए ईमानदारी से प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने अधिकारियों से पूछा है कि एक सेमीकंडक्टर कंपनी के 2.75 बिलियन डॉलर के निवेश पर 70% सब्सिडी और मात्र 5000 रोजगार सृजन कितना सही है? उन्होंने कहा कि वे देखेंगे कि कृषि क्षेत्र को उनके मंत्रालय से कैसे जोड़ा जा सकता है।

एचडी कुमारस्वामी

क्यों मिलती है सब्सिडी

केंद्र और राज्य सरकारें निवेश करवाने व सेमीकंडक्टर निर्माण जैसे रणनीतिक उद्योगों के लिए सब्सिडी के रूप में जमीन, बिजली-पानी, टैक्स में छूट और वेतन पुनर्भरण जैसी सुविधाएं देती हैं। बड़े उद्योगों की स्थापना और उनके साथ सहायक उद्योग पनपने से रोजगार बढ़ता है।

पीएम ने कहा था - फिर से सीएम बनिए

कुमारस्वामी ने कहा कि मार्च-अप्रेल 2019 में कांग्रेस के साथ गठबंधन में सीएम के रूप में वे प्रदेश के कुछ मुद्दों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से मिले थे। तब पीएम ने कहा था कि अपने पिता का नाम एक तरफ रख इस्तीफा दीजिए और फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लीजिए। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कोई भी मुझे हटा नहीं पाएगा। कुमारस्वामी ने कहा कि मोदी ने यह बात मेरे अच्छे काम की वजह से कही थी। मैंने उस समय प्रधानमंत्री की बात मान ली होती तो मेरे पार्टी कार्यकर्ताओं को पिछले कुछ सालों से संघर्ष नहीं करना पड़ता।

एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी : खरगे

बेंगलूरु @ पत्रिका. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। यह कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भाजपा को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है। बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए खरगे ने कहा कि 'एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है।'

बद्रीनाथ हाइवे पर हादसा : दिल्ली से ट्रेकिंग के लिए गए थे लोग

टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा में गिरा, 14 की मौत

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड). ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग जिले में टेंपो ट्रैवलर के अलकनंदा नदी में गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि ट्रैवलर नदी के किनारे गिरा, इसलिए लोग बहने से बच गया। हरियाणा का टेंपो ट्रैवलर दिल्ली से 26 लोगों को लेकर तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेकिंग के लिए निकला था। शनिवार को 11.30 बजे रुद्रप्रयाग के समीप वाहन 250 मीटर गहरी खाई में बह रही अलकनंदा नदी में जा गिरा। माना जा रहा है कि चालक को झपकी आने से हादसा हुआ। सीएम पुष्कर सिंह धामी में जांच के आदेश दिए हैं।

शेष @ पेज04

ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाइवे पर शनिवार को अलकनंदा नदी में गिरा टेंपो ट्रैवलर और हादसे के बाद निकाले गए घायल लोग।

झरोखा

जमीन-यूनिवर्सिटी बिल्डिंग जब्त

नई दिल्ली. ईडी ने दुबई में छिपे खनन माफिया पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की सहारनपुर स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की 121 एकड़ भूमि व भवन जब्त कर लिए हैं। इनका संचालन इकबाल का परिवार करता है।

नीतीश कुमार की तबीयत बिगड़ी

पटना. बिहार के सीएम नीतीश कुमार की शनिवार को तबीयत बिगड़ गई। वे पटना के मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे और जांच कराई। उनके हाथ में तेज दर्द हो रहा था। चिकित्सकों ने उनका चेकअप किया गया, इसके बाद वह घर लौट गए।

किसान सम्मान निधि की किस्त 18 को

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार पदभार संभालने के बाद 18 जून को संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। वह देश के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे।

विस्तृत @ पेज02

पॉक्सो केस: येडियूरप्पा 17 को पेश होंगे

बेंगलूरु. पोक्सो मामले का सामना कर रहे कर्नाटक के पूर्व सीएम व भाजपा नेता बीएस येडियूरप्पा शनिवार को बेंगलूरु लौट आए और कहा कि वह 17 जून को पूछताछ के लिए सीआइडी के समक्ष पेश होंगे। इस मामले में हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई है।

रहस्य का खुलासा : 500 साल पुराने हो सकते हैं अवशेष

श्रीराम राजा लोक की खुदाई में निकला कमरा व मंदिर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ओरछा (मध्यप्रदेश). श्रीराम राजा लोक निर्माण के लिए ओरछा में चल रही खुदाई में कई अवशेष सामने आ रहे है। इनके 500 साल से भी ज्यादा पुराने होने का अनुमान है। वीआइपी पार्किंग के पास की जा रही खुदाई में शनिवार को जमीन के अंदर एक कमरा और प्राचीन मंदिर का कलश सामने आया है। यह मंदिर करीब 5 फीट तक दिखाई दे रहा था। रविवार को और खुदाई के बाद स्थिति साफ होगी।

वीआइपी पार्किंग के पास खुदाई के दौरान जेसीबी का बकेट लगने से जमीन में गड्ढा हो गया और एक कमरा सामने आया। पर्यटन विभाग कर्मचारियों ने कमरे में लाइट डालकर देखा तो पास में मंदिर दिखाई दिया। अब मौके से मलबा हटाया जा रहा है। ओरछा में श्री रामराजा मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र मिलाकर श्री राम राजा लोक का निर्माण किया जा रहा है।

ओरछा में खुदाई के दौरान निकला मंदिर का कलश और कमरा।

कभी बावड़ी थी

पर्यटन विभाग के उपयंत्री पीयूष वाजपेयी ने बताया कि कमरे में कई दरवाजे दिखाई दे रहे हैं। इनके खुलने से स्थिति साफ होगी। बताया जा रहा है कि यहां बावड़ी थी। इसी के पास शिव मंदिर है। इस मंदिर की लोगों को पहले से जानकारी थी। इसका शिवलिंग पहले ही कहीं शिफ्ट किया जा चुका था।

निकली थी पुरानी बस्तियां

रविवार को मौके को देखकर ही कुछ कहा जा सकता है। यह स्ट्रेक्चर 500 साल हो सकता है। राजमहल की खुदाई में भी पुरानी बस्तियां मिली थी। **-घनश्याम बाथम,** क्यूरेटर, पुरातत्व विभाग

नया रूप : क्वीन हो पार्क तैयार, जल्द पर्यटकों के लिए खोला जाएगा

तीर्थ नगरी अयोध्या में दिखेगी कोरिया की झलक

अनुराग मिश्रा
patrika.com

अयोध्या. दक्षिण कोरिया और अयोध्या के बीच पुरातन संबंधों की झलक जल्दी ही प्रभु राम की नगरी अयोध्या में देखने को मिलेगी। इसके लिए सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। सरयू तट बनाए क्वीन हो कोरियाई पार्क जल्द ही पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

पार्क में पर्यटकों के रुकने के लिए कॉटेज और रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं भी होंगी। अयोध्या धाम में 2018 के दीपोत्सव के दौरान दक्षिण कोरिया की प्रथम महिला किम जोंग सुक ने यूपी सरकार के साथ संयुक्त रूप से क्वीन हो पार्क के नवीनीकरण का शिलान्यास किया था।

शेष @ पेज04

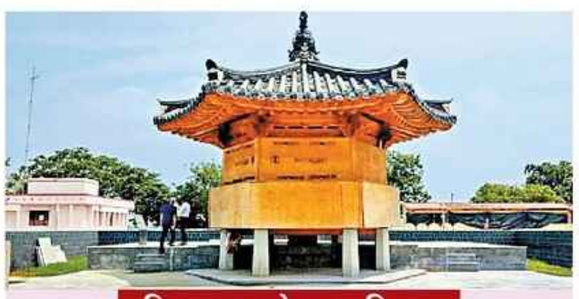

निःशुल्क प्रवेश पर विचार

प्रोजेक्ट पर काम करने वाली संस्था के डायरेक्टर सौरभ जैन ने बताया कि इस पार्क के लिए प्रवेश निःशुल्क रखने पर विचार किया जा रहा है। पर्यटकों के माध्यम से ही यहां की व्यवस्था संचालित हो इसके लिए कोरियन शैली के वेज रेस्टोरेंट, कोरियाई सामानों की दुकानें, लग्जरी कॉटेज, कांफ्रेंस हॉल, मनोरंजन केंद्र, कोरियन-इंडियन कल्चर के कार्यक्रमों के लिए हॉल बनाए गए हैं।

पर्यटकों को बांधे रखेंगे पार्क के आकर्षण

पार्क के संचालन की जिम्मेदारी दिल्ली की कार्यदायी संस्था आइएचडब्ल्यूएचसी को सौंपी गई है। सरयू तट पर 2000 वर्ग मीटर में फैले पार्क का निर्माण कार्य सितंबर, 2019 में शुरू हुआ था और नवंबर, 2021 में पूर्ण हो गया। इसमें मेडिटेशन हॉल, क्वीन पवेलियन, किंग पवेलियन, वाटर टैंक, फुटओवर ब्रिज, सब स्टेशन, ट्यूबवेल, पाथ-वे, शौचालय, फाउंटेन, लैंडस्केपिंग, स्कल्चर, गार्ड रूम, म्यूरल, ऑडियो-वीडियो सिस्टम, बाउंड्रीवॉल, पार्किंग और तालाब का निर्माण किया गया है।

उपराष्ट्रपति आज करेंगे संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल का लोकार्पण

प्रेरणा स्थल पर टेक्नोलॉजी से जान पाएंगे महापुरुषों की जीवनगाथा

कार्यक्रम में दोनों सदनों के सदस्य आमंत्रित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ रविवार को संसद भवन परिसर में नवनिर्मित 'प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण करेंगे जहां इस परिसर में पहले अलग-अलग स्थलों पर लगी महापुरुषों की विभिन्न प्रतिमाओं को एक जगह स्थापित किया गया हैं। लोक सभा सचिवालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह कार्यक्रम रविवार शाम साढ़े छह बजे आयोजित किया गया है। इसमें लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश एवं संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के द्वार-सात के सामने होगा। कार्यक्रम में राज्य सभा एवं लोक सभा के सभी सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है।

उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ से शनिवार को मुलाकात करते केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल।

प्रतिमाओं के आसपास 'लॉन' एवं पुष्प वाटिकाओं का निर्माण

संसद भवन परिसर में देश के महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं जिनका भारत के इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये प्रतिमाएं परिसर में पहले से ही अलग-अलग स्थानों पर स्थित थीं जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी। संसद भवन परिसर के अंदर इन प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है। अब इन प्रतिमाओं के समीप नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश को भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराने की कार्य योजना बनाई गई है ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले। इससे पहले भी नए भवन के निर्माण कार्य के दौरान महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू एवं चौधरी देवी लाल की प्रतिमाओं को परिसर में ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया गया था। 'प्रेरणा स्थल' पर प्रतिमाओं के आसपास 'लॉन' एवं पुष्प वाटिकाओं का निर्माण किया गया है।

लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज हुआ भारतीय रेलवे का नाम

नई दिल्ली. देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम में सर्वाधिक लोगों के एकत्रित होने को लेकर भारतीय रेलवे का नाम ''लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स'' दर्ज हुआ है। रेल मंत्रालय ने 26 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें 2,140 स्थानों पर 40,19,516 लोगों ने भाग लिया था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे पुलों के ऊपर/नीचे सड़क के उद्घाटन और रेलवे स्टेशनों की आधारशिला रखने के लिए आयोजित किया गया था। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन को लेकर भारतीय रेलवे के व्यापक प्रयास और गतिशीलता को सराहा गया है और इसको लेकर भारतीय रेलवे के नाम को 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है।

2032 तक रेलवे में खत्म होगी वेटिंग: वैष्णव

नई दिल्ली. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि उनका लक्ष्य 2031-32 कर ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट खत्म करना है। उन्होंने गर्मी के मौसम में यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि रेलवे ने इस बार गत वर्ष की तुलना में 10 गुना अधिक ट्रेनों का संचालन किया। उन्होंने रेलवे बोर्ड, जोन, मंडल के सदस्यों के साथ बैठक में सुरक्षा, समयपालन और सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने डिब्बों का निर्माण बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के लिए कवच सिस्टम पर भी चर्चा की।

'नीट यूजी परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच की सिफारिश करे केंद्र सरकार'

नई दिल्ली. राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर से नव निर्वाचित सांसद हनुमान बेनीवाल ने नीट यूजी परीक्षा को रद्द करते हुए सीबीआई से जांच करवाने की मांग की है। उन्होंने एनटीए की कार्यशैली और जवाबदेही पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा किया है। बेनीवाल ने बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पदभार संभालते ही एनटीए को क्लीन चिट दी थी। वहीं इसके 24 घंटे बाद ही एजेंसी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने से जुड़ी बात कहने से यह साफ है कि केंद्र सरकार इस मामले में खुद की नाकामी को लगातार छुपाने का प्रयास कर रही है। बेनीवाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश को लेकर देश की यह सबसे बड़ी परीक्षा है। शिक्षा मंत्री ने 24 घंटे में अपने बयान बदल दिए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे आकर मामले में वक्तव्य देना चाहिए। इस परीक्षा में हुई गड़बड़ी से देश के मेहनतकश छात्र आहत हैं। उनके साथ न्याय होना चाहिए और हम न्याय की लड़ाई में आंदोलित छात्र छात्राओं के साथ खड़े हैं।

मोदी 18 जून को वाराणसी से पीएम-किसान की 17वीं किस्त जारी करेंगे

अन्नदाताओं की खुशहाली के संकल्प की सिद्धि का होगा श्रीगणेश: शिवराज

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पीएम-किसान के अंतर्गत 20 हजार करोड़ रुपए की 17वीं किस्त जारी करेंगे।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसानों को पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने तथा कृषि सखियों के रूप में 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए 18 जून को वाराणसी का दौरा करेंगे। यह कार्यक्रम केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में चौहान के अलावा उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के मंत्री सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

चौहान ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के लिए कृषि सबसे महत्वपूर्ण आधार है और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव है। रोजगार के सबसे ज्यादा अवसर कृषि के माध्यम से ही सृजित होते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि और किसान पहले भी मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता रहे हैं जिसके चलते किसानों के कल्याण के लिए अनेकों कदम उठाए गए और अभी भी प्रधानमंत्री ने पद ग्रहण करने के बाद सबसे पहले किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त किसानों को जारी करने को लेकर हस्ताक्षर किए।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

30,000 समूहों को कृषि सखी प्रमाणपत्र

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम किसान की किस्त जारी करने के कार्यक्रम के साथ-साथ प्रधानमंत्री 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे। एक प्रतीक के रूप में प्रधानमंत्री पांच कृषि सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि कृषि सखी कार्यक्रम को चरण-1 में 12 राज्यों गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश और मेघालय में शुरू किया गया है। आज तक, 70,000 में से 34,000 से अधिक कृषि सखियों को पैरा-एक्सटेंशन वर्कर के रूप में प्रमाणित किया जा चुका है।

20,000 करोड़ से अधिक की राशि

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने सबसे पहले कार्यक्रम में पीएम किसान की बहुप्रतीक्षित 17वीं किस्त, 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि, 9.26 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों को प्रधानमंत्री के वाराणसी से बटन के एक क्लिक से वितरित की जाएगी। किसान सम्मान निधि 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

दो करोड़ किसान होंगे शरीक

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 18 जून को अन्नदाताओं की खुशहाली के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का श्रीगणेश होने जा रहा है। क्योंकि इस दिन कई केंद्रीय मंत्री किसानों से बातचीत करने और उनमें विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 50 केवीके का दौरा करेंगे और वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़ेंगे। देश भर से लगभग 2.5 करोड़ किसान इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वायुसेना को मिले 235 नए पायलट व अधिकारी

भविष्य के युद्ध कल की मानसिकता से नहीं लड़े जा सकते : चौधरी

डुंडीगल. वायु सेना अकादमी (एएफए) में 213 ऑफिसर्सकोर्स की कंबाइड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) में प्रदर्शन करती हुई एयर वॉरियर ड्रिल टीम।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी ने कहा है कि आने वाले युद्ध कल की मानसिकता से नहीं लड़े जा सकते। लड़ाई में नए मानक बनाने वाले हमेशा पुराने मानकों के अनुयाइयों पर भारी पड़ेंगे। ऐसे में जरूरी है कि नए लीडर्स के रूप में वायुसेना में शामिल हो रहे अधिकारियों को निर्णायक युद्ध जीतने के लिए प्रभावी तकनीक अपनाने के साथ नवाचार करके आगे बढ़ना होगा।

वायु सेना प्रमुख ने शनिवार को हैदराबाद के डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। अकादमी में कड़े प्रशिक्षण के बाद वायु सेना की फ्लाइंग व ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 235 स्नातक फ्लाइट कैडेट्स (अधिकारियों) को राष्ट्रपति कमीशन प्रदान किया गया। स्नातक अधिकारियों में 22 महिला अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में कमीशन मिला है। इनके अलावा भारतीय नौसेना के व भारतीय तटरक्षक बल के नौ-नौ अधिकारियों व मित्र विदेशी देशों के एक अधिकारी को भी उड़ान प्रशिक्षण पर 'विंग्स' प्रदान किए गए।

श्रेष्ठ कैडेट्स का सम्मान: प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्नातक अधिकारियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइंग ऑफिसर हैप्पी सिंह को पायलट कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति की पट्टिका और वायु सेना प्रमुख की स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर तौफीक रजा को ग्राउंड ड्यूटी ऑफिसर कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति की पट्टिका से सम्मानित किया गया।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

अभाविप ने की नीट-यूजी परीक्षा मामले की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2024) को लेकर उठ रहे सवालों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र सोलंकी और शिवांगी खरवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को यहां प्रधान से मुलाकात की और एनटीए द्वारा आयोजित नीट-यूजी 2024 के आयोजन की प्रक्रिया और परिणामों को लेकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

गौरतलब है कि इस परीक्षा के आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों में अनियमितता दिखी और कुछ केंद्रों पर सॉल्वर और प्रश्न पत्र बाटने जैसी घटनाएं सामने आई। अभाविप ने विद्यार्थियों की ओर से उठाई जा रही उचित मांगों का समर्थन किया है और इस समस्या के शीघ्र निवारण की मांग की है।

भारत के शीर्ष चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली नीट-यूजी परीक्षा की प्रक्रिया और परिणामों में शुचिता तथा पारदर्शिता को लेकर विद्यार्थियों के बीच संशय है। परीक्षा के आयोजन के दौरान भी कई गड़बड़ी पाई गई थी।

ऐसी गड़बड़ी विद्यार्थियों की अपेक्षा के साथ खिलवाड़ : अभाविप के आयाम मेडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अभिनंदन बोकरिया ने कहा कि एनटीए द्वारा परीक्षा से पूर्व समीक्षा करनी चाहिए थी, जिससे इस प्रकार की गड़बड़ी सामने न आतीं। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा जिसके लिए चिकित्सा क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं, ऐसी प्रमुख परीक्षा में गड़बड़ी विद्यार्थियों की वैध अपेक्षा के साथ खिलवाड़ है।

नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते अभाविप के पदाधिकारी।

किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होगा: प्रधान

अभाविप के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान प्रधान ने यह आश्वासन दिया है कि संबंधित विषय में किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और प्रकरण में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनपर विधि के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. सोलंकी और सुश्री खरवाल ने कहा,'' विद्यार्थियों के बीच नीट-यूजी परीक्षा के आयोजन और परीक्षा परिणामों में अनियमितता को लेकर संदेह के स्थिति बनी हुई है। अभाविप विद्यार्थियों की इस मांग के साथ है और संबंधित प्रकरण में सीबीआई से जांच करा दोषियों पर शीघ्रता से कार्रवाई किए जाने हेतु मांग करती है। एनटीए जैसी प्रमुख परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षा इस प्रकार की गड़बड़ी उसकी अक्षमता को दर्शाती है, ऐसे में भविष्य में कोई भी गड़बड़ी न हो इसके हेतु अभाविप इसकी कार्यप्रणाली को फूलप्रूफ बनाने की भी मांग करती है।'

दिल्ली में पानी का रोना, समाधान पर चर्चा नहीं

टिप्पणी
डॉ. मीना कुमारी

किसी भी क्षेत्र की बसावट और उसकी आबादी का समृद्ध होना ही किसी राज्य की मजबूती का मुख्य आधार होता है। पुराने दिनों में इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य प्रशासन नए गांव एवं कस्बे बसाना शुरू करता था। लेकिन सबसे प्रमुख जल प्रबंधन था और जल की उपलब्धता के अनुरूप नई बसावट होती थी। बसावट के चारों ओर छोटे-बड़े जोहड़ बनाए जाते थे, जो एक-दूसरे से छोटे नालों के माध्यम से जुड़े रहते थे। तालाबों की यह श्रृंखला जल स्तर को संतुलित रखती थी। एक जोहड़ में पर्याप्त या उसकी तय सीमा तक पहुंच जाता था तो दूसरा तालाब, जो इससे थोड़े निचले क्षेत्र में बना होता था, उसमें प्रवाहित होने लगता था। तालाबों में जल-संवहन का यह क्रम चलता रहता था। राजस्थान में जहां गांव-कस्बे कटोरेनुमा जगह में बसाए जाते थे जिससे कि बारिश का पानी चारों ओर की ढलान से जोहड़ों में एकत्र हो जाता था।

आज बड़ी विडंबना देश की राजधानी दिल्ली का जल समस्या से जूझना है। आजादी पूर्व दिल्ली की जल गाथा अनोखी थी। तब दिल्ली के हर अपने क्षेत्र में अपना जलाशय होता था। जिसकी संख्या लगभग 800 से ज्यादा थी। लेकिन पिछले कुछ दशकों में अधिकांश जलाशयों और उनके आगोर में नई कॉलोनियां खड़ी हो चुकी हैं। जल की विकेंद्रीकृत व्यवस्था को विकास के नाम पर बर्बाद कर दिया गया। दिल्ली के चर्चित स्थान पंचकुइयां रोड़ हो या धौला कुआं किसी समय जलाशय ही थे। पर आज केवल नाम बाकी है इनका अस्तित्व मिट चुका है। दूसरा यमुना किनारे बिना किसी सोच समझे बसाई कालोनियां। नई बसावट निर्मित करने से पूर्व यदि देश के आजादी पूर्व बसावट के नियम, सिद्धांत और मूल्यों पर आज विचार करें तो अवश्य गांव, नगर के साथ पूरा देश समृद्धशाली होगा। लेकिन आज देश में इसका दृश्य ठीक विपरीत है। परिणामस्वरूप कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा। देश के छठे सबसे बड़े शहर चेन्नई में भूजल स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। एक रिपोर्ट की मानें तो चेन्नई की लगभग चालीस लाख से ज्यादा आबादी के लिए केवल एकमात्र आसरा पानी के टैंकर ही हैं। ऐसे मौके पर मानवीय मूल्य इतने गिर जाते हैं कि त्रासदी में भी लूट के अवसर तलाश लिए जाते हैं।

इन दिनों यही हाल देश की राजधानी दिल्ली का है। पानी के टैंकरों के मूल्य सातवें आसमान पर और चार-चार, पांच-पांच दिन एक टैंकर के लिए इंतजार। इस भयावह गरमी में तो स्थिति और भी विकट हो गई है। पहले आत्मनिर्भर होना प्रमुख होता था। यानी अपनी व्यवस्था के लिए किसी और के मुख की ओर न ताकना। आज दिल्ली पानी के मामले में पूर्णत: अन्य राज्यों पर निर्भर हो चुकी है। यहां तक कि अपने हिस्से के पानी के लिए दिल्ली सरकार कोर्ट कचहरियों तक पहुंच चुकी है। दुर्भाग्य यह है कि पानी का रोना सब ओर है परंतु स्थाई समाधान कैसे हो इस पर कोई चर्चा नहीं कहीं सुनाई नहीं देती। कुछ बरस पहले समाज अपनी व्यवस्था स्वयं करनी जानता था। जिसमें सरकार की भूमिका सहयोगी की रहती थी। बड़ी जलीय संरचना सरकार द्वारा बना दी जाती थी लेकिन उसकी सार सम्भाल समाज अपने ऊपर राजी राजी ओढ़ लेता था। तभी तो सैकड़ों सालों पुरानी जलीय संरचना आज भी सर उठाए खड़ी हुई हैं। बस आवश्यकता है अपनी पुरानी परंपराओं और आधुनिक तकनीकी विकास में सामंजस्य बैठाने की। अनुपम मिश्र अपनी एक कृति में लिखते हैं कि सैकड़ों, हजारों तालाब अचानक शून्य से प्रकट नहीं हुए थे। उनके पीछे एक इकाई थी बनवाने वालों की, तो दहाई थी बनानेवालों की, यह इकाई, दहाई मिलकर सैकड़ा, हजार बनती थी। पिछले दो सौ बरसों में नए किस्म की थोड़ी सी पढाई पढ़ गए समाज ने इस इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार को शून्य ही बना दिया।

दिल्ली जल संकट पर कांग्रेस का मटकाफोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली @पत्रिका. दिल्ली में जल संकट को लेकर विपक्ष सड़कों पर उतर आया है। दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजधानी के यूसुफ सराय इलाके में 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया और दिल्ली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, भाजपा ने शहजाद पूनावाला के नेतृत्व में आप सरकार की जल मंत्री आतिशी के कार्यालय के बाहर मटका फोड़ प्रदर्शन कर समस्या का जल्द हल निकालने की मांग की।

केजरीवाल की सुनवाई के वीडियो हटाए जाएं

नई दिल्ली @पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने विभिन्न इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म को सीएम अरविंद केजरीवाल की अदालती कार्यवाही से जुड़े वीडियो व ऑडियो को हटाने का निर्देश दिया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा व जस्टिस अमित शर्मा की पीठ ने केजरीवाल की पत्नी सुनीता और कई अन्य के खिलाफ अदालत की वीडियो कांफ्रेंसिंग नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है।

बिजली की बढ़ती मांग पूरा करने में पवन ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने में राजस्थान प्रयासरत: आलोक

नई दिल्ली@ब्यूरो. राजस्थान के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक ने कहा कि राजस्थान ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अन्य राज्यों की अपेक्षा लगातार बहुत अच्छा काम किया है। बिजली की बढ़ती मांग पूरा करने में पवन ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने में राजस्थान प्रयासरत है।

आलोक ने यह बात वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस के अवसर पर 'पवन-ऊर्जा: पावरिंग द फ्यूचर ऑफ इंडिया' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए पूर्व में राजस्थान सरकार को केंद्र की ओर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है।

इस दौरान भारत में पवन ऊर्जा की प्रगति, तट से दूर पवन ऊर्जा विकास, पवन ऊर्जा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नथमल डिडेल भी मौजूद रहे।

यूनेस्को की ओर से प्रिक्स वर्साय पुरस्कार में शामिल

दुनिया के सात सुंदर म्यूजियम में कच्छ के स्मृति वन को मिली जगह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली/गांधीनगर. गुजरात में कच्छ स्थित भुज के स्मृतिवन भूकंप मेमोरियल म्यूजियम को दुनिया के 7 सबसे सुंदर म्यूजियम की सूची में जगह मिली है। यूनेस्को की ओर से इस वर्ष घोषित किए जाने वाले आर्किटेक्चर और डिजाइन क्षेत्र के प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्साय पुरस्कार के तहत इस मेमोरियल को शामिल किया गया। भारत के किसी म्यूजियम को पहली बार ऐसी स्थानीय संस्कृति और प्रकृति संरक्षण की अभिव्यक्ति के लिए वैश्विक मान्यता मिली है।

वर्ष 2001 के विनाशकारी भूकंप के पीड़ितों की स्मृति में और कच्छ की साहसिकता को नमन करने के स्वरूप में म्यूजियम बनाने का विचार गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था। इसके चलते भुज में स्मृति वन का निर्माण किया गया। इसका उद्घाटन वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी ने किया। भुज में भुजिया डूंगर पर हजारों पेड़ों की हरियाली के बीच निर्मित इस म्यूजियम की डिजाइन अद्भुत है। मेमोरियल पार्क करीब 470 एकड में फैला है, जहां 13 हजार से ज्यादा पौधे हैं। पार्क में लगाए गए पौधे भूकंप पीड़ितों को समर्पित हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने इसे गुजरात और भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह म्यूजियम चुनौतियों का बहादुरी से सामना कर उनसे नवसृजन करने की गाथा है। यह म्यूजियम परमतत्व की अलौकिक अनुभूति है।

स्मृतिवन का विश्व वर्सेलिस संग्रहालय में शामिल होना गौरव का क्षण: शाह

नई दिल्ली. केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कच्छ के स्मृतिवन को प्रतिष्ठित विश्व प्रिक्स वर्सेलिस संग्रहाल में स्थान मिलने को गौरवशाली क्षण बताया है। शाह ने शनिवार को एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि कच्छ के स्मृतिवन को प्रतिष्ठित विश्व प्रिक्स वर्सेलिस संग्रहालय में स्थान मिलना एक गौरवशाली क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुरुप स्मृतिवन एक ऐसा संग्रहालय है जहां 2001 के भीषण भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृतियों को संजोया गया है। शाह ने कहा कि स्मृतिवन को संग्रहालय में शामिल किया जाने से उन लोगों की स्मृति की सुगंध पूरी दुनिया में फैलेगी।

इस पालक ने अपनी सभी बेटियों के हर अरमान को पूरा किया

SUNDAY GUEST EDITOR संडे गेस्ट एडिटर @वुमन

सोच यह: अगर किसी को बिना मुस्कुराहट के देखें तो उसे अपनी मुस्कान दें।

सुझाव भेजें
sunday@in.patrika.com

जयकुमार भाटी
patrika.com

जोधपुर. राजेंद्र परिहार वह शख्स हैं जो नवजीवन संस्थान के माध्यम से उन बेटियों के पालन-पोषण, शिक्षा और शादी तक की जिम्मेदारी बरसों से निभा रहे हैं, जिनके माता-पिता नहीं हैं। इन बेटियों के आधार कार्ड और शिक्षा प्रमाण पत्र में भी पिता के तौर पर राजेंद्र परिहार का नाम अंकित है। वर्तमान में 43 बेटियों के पिता राजेंद्र बताते हैं कि अब तक 1535 बालिकाओं को निसन्तान दम्पतियों को गोद दिया है, जिसमें से 57 बच्चों को गोद लेने वाले विदेशी दम्पती हैं। वहीं 25 बेटियों की शादी और 20 प्रसव भी संस्थान में करवाए गए हैं। ऐसे में इन बेटियों के बच्चे भी राजेंद्र को प्यार से नाना कहकर बुलाते हैं। नवजीवन संस्था के प्रभारी राजेंद्र परिहार बताते हैं कि वर्तमान में यहां 43 बच्चियों का पालन-पोषण हो रहा है। यहां आने वाले नवजात शिशुओं को संस्थान में स्थापित दुग्ध बैंक से दूध पिलाकर उनका जीवन बचाया जाता है। यहां रहने वाली बच्चियों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षा दिलाई जाती है।

राजेंद बताते हैं कि बेटियों को अच्छी शिक्षा और परवरिश मिले इसके लिए हरसंभव प्रयास करते हैं। यही मेरा पूरा परिवार हैं।

संस्थान में बेटियों के साथ राजेंद्र परिहार

बेटियां अपने बच्चों के साथ रहने आतीं

वहीं, यहां रहकर बड़ी होने वाली बालिकाओं को बारहवीं कक्षा पास करने के बाद बीए, बीएससी, एमबीए, एनिमेशन, नर्सिंग डिप्लोमा, इंटीरियर डिजाइनिंग, टेक्सटाइल व फैशन डिजाइनिंग जैसे कोर्स करवाए जाते हैं, ताकि बेटियां आत्मनिर्भर बन सकें। यहां कुछ बेटियां आत्मनिर्भर बनकर नौकरी भी कर रही हैं। आधार कार्ड और शिक्षा प्रमाण पत्र में पिता के तौर पर राजेंद्र परिहार का नाम अंकित कराने के बारे में उनका कहना है कि जन्म देने वाले पिता को तो नहीं देखा, लेकिन हमें पालने वाले पिता ने हरेक अरमान को पूरा किया है। परिहार ने बताया कि वह अब तक 25 बेटियों की शादी करवा चुके हैं। यह संस्थान उनका मायका है। छुट्टियों में वे अपने बच्चों के साथ यहां रहने आती हैं।

तीज-त्योहार पर उपहार भी लेतीं

वे बताती हैं कि तीज त्योहार पर भी हक से अपना उपहार मंगवाती हैं। संस्थान में रहने वाली बेटियां प्रतिदिन शाम को एक घंटे राजेंद्र के पास बैठकर दिनभर के बारे में बताती हैं। हालांकि राजेंद्र परिहार के स्वयं के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा है। उसके बावजूद वह सभी बेटियों की पिता की तरह देखभाल करते हैं।

ट्रेंडिंग वीडियो

1. जी-7 समिट में मोदी का जलवा, इटली से दिया विश्व का संदेश

2. शरद पवार ने पीएम मोदी को क्यों कहा धन्यवाद?

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

सीमा पार से ड्रोन के जरिए आई 12 किलो हेरोइन बरामद

अनूपगढ़. रायसिंहनगर (गंगानगर) @ पत्रिका. अनूपगढ़ जिले से सटी भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी के दो मामले शनिवार रात सामने आए। बीएसएफ की कैलाश सीमा चौकी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन तीन किमी. अंदर घुस कर हेरोइन के पैकेट गिरा गया। ड्रोन को गिराने के लिए जवानों ने 25-30 राउंड फायर भी किए। सर्च ऑपरेशन में 13 केके गांव के एक खेत में पीले रंग के दो पैकेट में छह किलो हेरोइन मिली। दूसरी घटना रायसिंहनगर क्षेत्र के गांव 44 पीएस बरूवाला की है, जहां ड्रोन की आवाज सुन ग्रामीणों ने कार में डिलीवरी लेने आए तस्करों को पकड़ने का प्रयास किया तो वे हवाई फायर कर फरार हो गए। 12 किलो हेरोइन की कीमत 60 करोड़ रुपए बताई गई है।

पत्नी की हत्या कर थाने में किया सरेंडर

शाहजहांपुर (अलवर) @ पत्रिका. चौबारा गांव में अवैध संबंधों के शक में शुक्रवार रात एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। साथ ही चचेरे भाई पर भी जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। शाहजहांपुर थानाधिकारी पुखराज मीणा ने बताया कि आरोपी शुक्रवार रात को प्रेमचंद मेघवाल ने घर में चारपाई पर सो रही पत्नी सोमवती की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने शनिवार अल सुबह चार बजे चेचेरे भाई संदीप के घर पहुंचा और उस पर फसल कटाई के काम में ली जाने वाली बांकडी से हमला कर फरार हो गया। इसके बाद आरोपी ने थाने में पहुंचकर सरेंडर कर दिया।

बॉर्डर की एक सीमा पर लागू वाइब्रेंट विलेज योजना, दूसरी सीमा पर अभी तक नहीं

उत्तर में 4800 करोड़ रुपए से वाइब्रेंट विलेज पश्चिम के गांवों में डूबा विकास का सूरज

पत्रिका रतन दवे
patrika.com

बाड़मेर. केंद्र सरकार की ओर से उत्तर भारत के सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज योजना में 4800 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इधर, पश्चिम के बॉर्डर के राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में यह योजना लागू नहीं हुई है। पूर्व में यहां संचालित बॉर्डर एरिया डवलपमेंट प्रोग्राम (बीएडीएपी) योजना भी बंद हो गई है। ऐसे में सीमावर्ती गांव विकास को तरस रहे हैं। उत्तर की तरह पश्चिम के गांव भी शामिल हों तो इन गांवों में यह पहल पश्चिम से विकास का सूर्योदय करेगी।

बाड़मेर. पश्चिमी सीमा के बॉर्डर का एक गांव सुंदरा। यहां रेगिस्तान में विकास का आज भी इंतजार है।

क्या है वाइब्रेंट विलेज योजना

15 फरवरी 2023 को यह योजना अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के 19 जिलों और 46 ब्लॉक के 663 गांवों में प्रारंभ की गई है। इसमें 4800 करोड़ रुपए का बजट वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए दिया गया है। इसमें 2500 करोड़ सड़क कनेक्टिविटी पर व्यय होंगे।

यह कार्य होंगे शामिल

- महिला सशक्तीकरण
- सड़क
- स्वच्छ पेयजल
- सौर-पवन ऊर्जा
- मोबाइल इंटरनेट कनेक्टिविटी
- पर्यटक केंद्र
- बहुउद्देश्यीय केंद्र
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र
- उद्यमशीलता
- कृषि एवं बागवानी
- औषधीय जड़ी बूटी खेती
- सहकारी समिति विकास

बॉर्डर टूरिज्म की असीम संभावनाएं

बाड़मेर-जैसलमेर के गांवों में बॉर्डर टूरिज्म का इतना विकास नहीं हुआ है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हाल ही बाड़मेर दौरे पर कच्छ की तर्ज पर इन गांवों को विकसित करने का वादा किया था। सीएम भजनलाल शर्मा ने भी बाड़मेर-जैसलमेर पर्यटन सर्किट बनाकर टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात कही थी। ऐसे में वाइब्रेंट विलेज से बॉर्डर टूरिज्म से रोजगार के द्वार खुलने की असीम संभावना है।

पलायन रोकना

एक गांव एक उत्पाद वाइब्रेंट विलेज का बड़ा कदम है। इसके तहत इन गांवों में एक-एक उत्पाद के लिए औद्योगिक विकास किया जा रहा है। ताकि यहां लोगों को काम मिल जाए। रोजगार के लिए पलायन नहीं हों। पश्चिमी बॉर्डर पर भी पलायन बड़ी समस्या है। यहां दूरस्थ गांवों में रोजगार उपलब्ध हों तो इन गांवों में भी विकास होगा। अभी अधिकांश लोग काम के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और राज्य के अन्य शहरों में पलायन कर रहे हैं।

पश्चिम में क्यों जरूरी

यहां पूर्व में बीएडीपी योजना से कार्य हुए हैं, जो वर्ष 2019 के बाद बंद है। अब बॉर्डर विकास की बड़ी योजना नहीं है। पश्चिमी सीमा में बॉर्डर के 73 गांवों में राष्ट्रीय मरू उद्यान क्षेत्र है। यहां आलम यह है कि नियमों के प्रतिबंध के चलते मूलभूत सुविधाएं भी नहीं है। मोबाइल कनेक्टिविटी का अभाव है। पेयजल की समस्या सबसे ज्यादा है। दूरियां और रेगिस्तान होने से यहां आवागमन के साधनों और सड़कों का भी अभाव है। बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा यहां रोजगार के साधन नगण्य होने से लोग पलायन कर रहे हैं। वाइब्रेंट विलेज योजना इन गांवों की भी महत्ती जरूरत है।

केंद्र सरकार से मांग की जाएगी कि वाइब्रेंट विलेज योजना को राज्य में भी लागू किया जाए। राजस्थान के बॉर्डर के गांवों में भी इससे विकास की गति बढ़ेगी। यह योजना उत्तर की तरह पश्चिम में भी उपयोगी सिद्ध होगी। -**के के विश्नोई,** उद्योग राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार

6 घंटे चक्का जाम, डीएसपी ने दिया जांच का भरोसा

ग्रामीणों ने लगाया थानाधिकारी पर मारपीट का आरोप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. छोटी सरवा. पाटन थाना क्षेत्र के बावड़ी डिंडोर गांव में थानेदार पर एक युवक से मारपीट का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने रतलाम-कुशलगढ़ मार्ग जाम कर दिया। 4 घंटे की समझाइश के बाद मार्ग खोलने के लिए ग्रामीण तैयार हुए। इस दौरान डीएसपी ने 4 दिन में जांच कर पाटन थानाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दरअसल, क्षेत्र के बावड़ी डिंडोर गांव में एक कुएं को गहरा करने के लिए कुछ युवक शनिवार को ब्लास्टिंग कर रहे थे। ब्लास्टिंग के दौरान कुएं से पत्थर उछलकर सड़क तक पहुंच रहे थे। ऐसे में किसी को चोट नहीं लगे, इसके लिए युवक रोड पर वाहनों को रोककर एक ओर खड़ा करवा रहे थे। इसी दौरान पाटन थानाधिकारी राम स्वरूप जाप्ते के साथ वहां से गुजर रहे थे। तीन युवकों ने उनकी गाड़ी को रुकवा लिया। युवकों ने पूरी जानकारी दी। इस पर सीआइ और जवानों ने युवकों को पीटना शुरू कर दिया। मौका पाकर 2 युवक भाग गए। एक युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गोपाल पुत्र सकुडा गामोट के साथ मारपीट की गई। युवक मौके पर बेहोश हो गया, जिसे पुलिस छोड़कर चली गई।

पीठ पर लगी चोट दिखाता युवक।

क्षेत्र में एक स्थान पर अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही थी। ऐसे में थानाधिकारी ने समझाइश की तो वहां पर कहासुनी हो गई थी। हालांकि ग्रामीणों ने चक्का जाम के दौरान पाटन थानाधिकारी पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। मामले में जांच करेंगे।

शिवन्या सिंह, डीएसपी कुशलगढ़

ब्लास्टिंग करनी थी तो पहले से जानकारी दे देते। मैं जाप्ता लगा देता। समझाने के बाद एक बार हटा दिया था। दूसरी बार फिर से वाहन रोक रहे थे। बातचीत के दौरान एक व्यक्ति गिर गया, हो सकता है लग गई हो। हमारी तरफ से कोई मारपीट नहीं की गई ।

रामस्वरूप, पाटन थानाधिकारी

सत्यनारायण कथा के लिए बनी 60 मण की बाटियां

रटलाई. झालावाड़ जिले की ग्राम पंचायत रीझौन के गांव देवडूंगरी में रविवार को सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन होगा। इसके लिए ग्रामीणों के सहयोग से 60 मण बाटियां बनाई गई। स्थानीय निवासी छगनलाल, रामगोपाल ने बताया कि रविवार सुबह भोग लगाया जाएगा। उसके बाद आगंतुकों को दाल-बाटी परोसी जाएगी। कई बरसों से चली आ रही परम्परा में पूरा गांव सहयोग करता है।

फेक्ट फाइल

250 किलो दाल
02 क्विंटल देसी घी
04 क्विंटल गुड़

खुलासा: मूक बधिर 10 वर्षीय बालिका को पिलाया था कीटनाशक, एसएमएस अस्पताल में तोड़ा था दम

पड़ोसी को फंसाने के लिए मां-बाप ही बन गए मासूम बेटी के कातिल

मां-बाप, मामा गिरफ्तार, पोल खुलने के डर से...

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हिंडौनसिटी. झुलसी हालत में 10 वर्षीय मूक-बधिर बालिका की मौत के मामले में माता-पिता और मामा ने बलात्कार का झूठा आरोप लगाते हुए पड़ोसी युवक को हत्या के मामले में फंसाने का षड्यंत्र रचा था। एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान बालिका की स्थिति में सुधार होता देख परिजन ने पोल खुलती देख बालिका को कीटनाशक पिलाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पड़ताल में आए साक्ष्यों के बाद पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए शनिवार को हत्या के आरोप में मृतका के पिता करण सिंह मीना, मां कमलेशी मीना और मामा राजेश मीना को गिरफ्तार किया।

बालिका झुलसी तो दस दिन तक रची साजिश: पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि नौ मई को बालिका का मां के साथ झगड़ा हुआ था। इस पर बालिका ने पेट्रोल उड़ेल खुद को आग लगा ली। इस दौरान उसकी मां ने बोतल को छिपा दिया और पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी। फिर कहानी रचते हुए दो दिन बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बलात्कार का भी आरोप लगाया। बालिका को एसएमएस अस्पताल में रेफर किया गया। यहां चिकित्सकीय जांच में बलात्कार की पुष्टि नहीं हुई। इस बीच बालिका की 19 मई की रात को मौत हो गई।

पड़ताल में खुलती गई परतें: पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि बालिका की मौत झुलसने से नहीं, बल्कि कीटनाशक सेवन से हुई है। यह भी खुलासा हुआ कि कीटनाशक मृत्यु से 24 घंटे पहले दिया गया है। अस्पताल में पड़ताल की तो सामने आया कि इलाज के दौरान 19 मई को बालिका की सांसें फूलने लगी। इस पर चिकित्सकों ने माता, पिता और मामा से ऑक्सीजन लगाने की अनुमति मांगी। उन्होंने मना कर दिया। 19 मई की रात को बालिका ने दम तोड़ दिया।

पड़ोसी को आरोपी बनाने की थी कोशिश

जयपुर में उपचार के दौरान राजेश ने बालिका को पड़ोसी के बेटे ललित की फोटो दिखाई। यह फोटो सोशल मीडिया से डाउनलोड की थी। बालिका से पहचान कराकर उसे आरोपी बनाने की कोशिश की। इसके बाद मामा ने ही पुलिस से ललित की फोटो बालिका को दिखाने और अनुवादक से बयान लेने के लिए कहा। बालिका ने जहां आत्मदाह का प्रयास किया था वह खेत ललित के पिता का है।

स्कूलों में छात्राओं को सिखाएंगी आत्मरक्षा के गुर

359 महिला पीटीआइ बनेंगी रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा कमांडो

चंद्रप्रकाश ओझा
patrika.com

बीकानेर. स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए राज्य की 359 महिला पीटीआइ को पुलिस अकादमी की ओर से कमांडो प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हें रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा कमांडो का नाम दिया गया है। राजस्थान पुलिस अकादमी में इन चयनित महिला शारीरिक शिक्षिकाओं को 10 दिवस का आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये स्टेट रिसोर्स पर्सन अपने ब्लॉक की महिला पीटीआइ को रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण देंगी, जो अपने स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएंगी। ये प्रशिक्षित महिला पीटीआइ रिसोर्स पर्सन के रूप में काम करेंगी। हर जिले के ब्लॉक से एक महिला शारीरिक शिक्षिका का चयन किया जाएगा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कम जिला परियोजना समन्वयकों को उनके जिले के ब्लॉक से योग्य तथा सक्षम महिला पीटीआइ का नाम भेजने के निर्देश दिए हैं। ये प्रशिक्षित पीटीआइ ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देंगी। रिसोर्स पर्सन के प्रशिक्षण 1 जुलाई से 6 सितंबर तक कुल 4 चरणों में होंगे। प्रत्येक चरण 10 दिनों का होगा। पहला चरण 1 जुलाई से 11 जुलाई तक होगा। इसमें 89 महिला शारीरिक शिक्षिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा। आत्मरक्षा प्रशिक्षण का दूसरा चरण 15 जुलाई से 26 जुलाई तक होगा, जिसमें 93 महिला पीटीआइ को, तीसरे चरण में 87 महिला पीटीआइ को 29 जुलाई से 8 अगस्त तक तथा चौथे और अंतिम चरण में 90 पीटीआइ को 27 अगस्त से 6 सितंबर तक प्रशिक्षित किया जाएगा।

मौसम: आंधी-बारिश के साथ छह जिलों में लू का अलर्ट

जयपुर @ पत्रिका. प्रदेश में मौसम के दो रंग देखने को मिल रहे हैं। आंधी और बारिश के बीच कुछ जिलों में हीटवेव का भी अलर्ट जारी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार अधिकतर जिलों में आंधी और हल्की बूंदाबांदी की छिटपुट गतिविधियों का दौर जारी रहेगा। अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर में लू चलने की संभावना है। इधर, शनिवार को सबसे अधिक तापमान पिलानी में 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार 20 जून के बाद राज्य में प्री-मानसून की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी।

कोलवा थाना प्रभारी लाइन हाजिर, लालसोट एएसआइ निलंबित

दौसा @ पत्रिका. पुलिस महकमे में आ रही शिकायतों को लेकर पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा एक्शन मोड में हैं। एसपी ने कोलवा थाना प्रभारी जनमेजाराम को मारपीट के मामले में अनुसंधान में लापरवाही बरतने पर लाइन हाजिर किया। लालसोट थाने के एएसआइ रामचरण को फाइलों में अनियमितता मिलने के मामले में निलंबित कर दिया। शुक्रवार को लालसोट थाने के एएसआइ व चालक व गनमैन को लाइन हाजिर किया था।

फादर्स डे विशेष: माता-पिता के जीवनभर में काम लेने वाली दैनिक उपयोग की सामग्री से बनाया संग्रहालय

बेटे ने बनाया माता-पिता का मंदिर, बांट रहे संस्कारों की सीख

पत्रिका अजय शर्मा
patrika.com

सीकर. पिता के बिना जिंदगी वीरान है, सफर तन्हा और राह सुनसान है...मुझे छांव में बिठाकर, खुद चलते रहे धूप में...। कुछ इन पक्तियों को आदर्श मानने वाले सीकर के एक बेटे ने पिता से अटूट प्रेम की कहानी पेश कर समाज में बड़ा संदेश दिया है।

बेटे ने पिता की यादों को ताउम्र सहेजने के लिए अपने गांव सिंहासन में घर के पास ही अनूठा माता-पिता का मंदिर तैयार कराया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कार्यरत व्याख्याता शंकर बगड़िया के दिन की शुरुआत भी 'जन्मदाता आप ही, माता-पिता-भगवान हो.. आपके उपकार का हम ऋण चुका सकते नहीं' सरीखे भजनों से होती है। खास बात यह है कि उन्होंने माता-पिता के जीवनभर में काम लेने वाली दैनिक उपयोग की सामग्री से संग्रहालय भी बना दिया है। बकौल बगड़िया, मां के संस्कार और पिता के आदर्श और अनुशासन की राहों से और भी लोगों को प्रेरणा मिल सके, इसलिए पिछले साल मंदिर तैयार कराया था। मंदिर में दिनभर माता-पिता भक्ति के भजन भी गूंजते हैं। शंकर के इस जुनून और माता-पिता के मंदिर को देखते के लिए दूर-दराज से भी लोग पहुंचते हैं। उनके पिता लक्ष्मणराम ने सेना में लंबे समय तक सेवाएं दीं।

इलाके के युवाओं को उन्होंने हमेशा समय प्रबंधन के साथ देशभक्ति का पाठ पढ़ाया था। इसलिए क्षेत्र के युवाओं के लिए वह आज भी रोल मॉडल है। मां कस्तूरी देवी ने संस्कारों की सीख दी। मंदिर की नियमित पूजा-अर्चना में बहू अनिता बगड़िया भी पति का पूरा हाथ बंटाती है। उन्होंने बताया कि सास-ससुर की स्मृति में हर साल दो हजार से अधिक विद्यार्थियों को एजुकेशन छात्रवृत्ति भी उपलब्ध कराई जाती है।

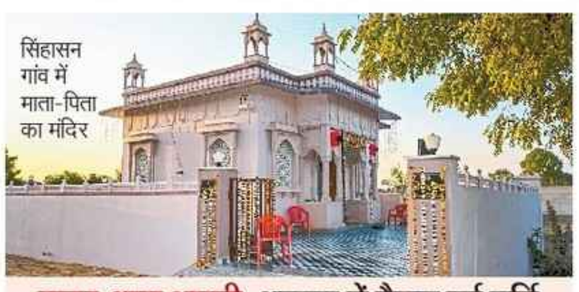

सुबह-शाम आरती, अलवर में तैयार हुई मूर्ति

मंदिर में रोजाना सुबह-शाम आरती होती है। माता-पिता की मूर्तियां अलवर जिले के एक कारीगर ने तैयार की है। गांव के लोगों ने बताया कि पहले बुजुर्गों की याद में छतरी बनाने की परम्परा थी। इस तरह मंदिर की पहल पहली बार हुई है।

ये भी सराह चुके पहल को

मंदिर में लगी मूर्ति व पास खड़े बेटा व बहू।

माता-पिता के मंदिर की पहल को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, धोद विधायक गोरधन वर्मा, फतेहपुर से भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर श्रवण चौधरी, पवन जोशी व सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी हरलाल गढ़वाल आदि युवा की पहल की जमकर सराहना कर चुके हैं।

justeen 13 से 19 साल बेमिसाल

Young Prodigy

That's The Spirit

पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में शानदार प्रदर्शन करने वाली टियारा नए कीर्तिमान बना रही हैं।

यंगिस्तान

पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में बनाई अलग पहचान

भारतीय अमरीकी टियारा अब्राहम इंडियाना यूनिवर्सिटी के सभी सात कैम्पस में मास्टर डिग्री हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की छात्रा बन गई हैं। मात्र 16 वर्ष की आयु में वह कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में सबसे कम उम्र के रीजेंट स्कॉलर के रूप में संगीत में बैचलर ऑफ आर्ट्स की उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी मां डॉ. ताजी अब्राहम पशु चिकित्सक हैं और उनके पिता बिजो अब्राहम सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।

कौन हैं ये

- नाम : **टियारा अब्राहम**
- उम्र : **18 वर्ष**
- उपलब्धि: इंडियाना यूनिवर्सिटी के सभी सात कैम्पस में मास्टर डिग्री हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की छात्रा।
- स्टीव हार्वे शो में दे चुकी हैं प्रस्तुति।

TRICKS of MEMORY IMPROVEMENT by कृष्ण चहल गिनीज बुक वर्ल्ड रेकॉर्ड

विद्यार्थियों को फोकस बढ़ाने के लिए संतुलित आहार लेना चाहिए।

ज्यादा मीठा खाने का याददाश्त पर असर

जब विद्यार्थी मीठे पदार्थ खाते हैं तो रक्त शर्करा का स्तर तेजी से बढ़ता है, जिससे ऊर्जा में अस्थायी वृद्धि होती है। इसके बाद रक्त शर्करा तेजी से गिरती है, जिससे सुस्ती महसूस होती है। यह ऊर्जा में उतार-चढ़ाव एकाग्रता को बाधित करता है।

- **अध्ययनों** से पता चला है कि चीनी का ज्यादा सेवन दिमाग के उन क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाता है जो स्मृति और सीखने से जुड़े होते हैं।
- **इससे** शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ सकता है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।
- **चीनी** का ज्यादा सेवन नींद को बाधित कर सकता है, जो सीखने के लिए अहम है।
- **जब** आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो आपका दिमाग नई जानकारी को प्रभावी ढंग से याद रखने में सक्षम नहीं होता।

DO IT YOURSELF

पेपर से बनाइए क्यूट फिश

यदि आपको ओरिगेमी पसंद है, तो आप इसकी मदद से मछलियां भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको अलग-अलग रंग के कागज की जरूरत होगी। इस वीडियो में दिखाए गए तरीके से कागज को मोड़कर और आसान चीजों से सजाकर क्यूट मछलियां तैयार कर सकते हैं। वीडियो देखें- **bit.ly/fursat550**

बनाएं हमें अपना BFF

स्पीकर और ऑथर स्टीव मारबोली का कहना है, 'दोस्ती एक उपहार है और सभी उपहारों की तरह इसे भी पोषित कर संजोया जाना चाहिए।' आप भी हमारे ऐसे ही सच्चे दोस्त बन सकते हैं। हमसे जुड़ने के लिए आप इस मेल पते पर संपर्क कर सकते हैं-

मेल आईडी sunday@in.patrika.com

छह दशक से अंतरिक्ष में भी परचम लहरा रहीं महिलाएं

16 जून, 1963 को सोवियत संघ की वैलेंटिना टेरेश्कोवा अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला बनीं। वर्ष 1983 में सैल राइड अंतरिक्ष यात्रा करने वाली पहली अमरीकी महिला बनीं। भारतीय मूल की कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई कीर्तिमान बना चुकी हैं। सुनीता विलियम्स फिलहाल अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन में एक मिशन पर हैं। इन महिला वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में काम करने के दौरान विज्ञान, चिकित्सा और इंजीनियरिंग में अहम प्रयोग किए हैं, जिनमें उपग्रहों की मरम्मत और स्पेस वॉक भी शामिल हैं। ऐसी ही कुछ महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में जानते हैं-

अंतरिक्ष की धाक जमाने वाली पहली अमरीकी महिला

सैली राइड, अमरीका
पहली यात्रा: 18 जून, 1983
अंतरिक्ष यान: चैलेंजर

अमरीका की अंतरिक्ष यात्रा में सुनहरा अध्याय जोड़ने वाली सैली राइड मशहूर भौतिक वैज्ञानिक और शिक्षिका थीं। वर्ष 1978 में राइड को नासा द्वारा छह महिला अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवारों में से एक के रूप में चुना गया था। वह जून 1983 में चैलेंजर अंतरिक्ष यान से मिशन एसटीएस-7 पर अंतरिक्ष की यात्रा करने वाली पहली अमरीकी महिला बनीं। अंतरिक्ष में रहते हुए उन्होंने रोबोटिक आर्म पर भी काम किया, जो उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने में मदद करता है। अंतरिक्ष यात्रा पूरी करने के बाद राइड ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफेसर के रूप में काम किया। उन्होंने महिलाओं और लड़कियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रोत्साहित करने के लिए भी काम किया। वर्ष 1988 में उन्होंने टार्जन एजुकेशन फाउंडेशन की स्थापना की, जो विज्ञान-गणित में जागरूकता का काम करता है। 23 जुलाई, 2012 को 61 वर्ष की आयु में कैंसर से उनका निधन हो गया।

गुरुत्व को मात देने वाली पहली एशियाई

चियाकी मुकाई, जापान
पहली यात्रा: 8 जुलाई, 1994
अंतरिक्ष यान: कोलंबिया

चियाकी मुकाई अंतरिक्ष में जाने वाली पहली एशियाई और जापानी महिला हैं। उन्होंने 1990 के दशक में दो अंतरिक्ष शटल मिशनों पर उड़ान भरी। वह जापान के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम का प्रमुख स्तंभ मानी जाती हैं। जापान के तातेबयाशी में जन्मी मुकाई ने टोक्यो में कीओ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में पढ़ाई की, जहां उन्होंने चिकित्सा में डॉक्टरेट (1977) और फिजियोलॉजी में डॉक्टरेट (1988) की उपाधि हासिल की। 1985 में जापान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष विकास एजेंसी ने मुकाई को अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना। उन्होंने अमरीका जाकर टेक्सास के ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में काम किया।

सोलो मिशन पर जाने वाली एकमात्र महिला

वैलेंटिना टेरेश्कोवा, सोवियत संघ
यात्रा: 16 जून, 1963
अंतरिक्ष यान: वोस्तोक-6

अंतरिक्ष में यात्रा करने वाली पहली महिला सोवियत अंतरिक्ष यात्री वैलेंटिना टेरेश्कोवा थीं। 16 जून 1963 को टेरेश्कोवा अंतरिक्ष यान वोस्तोक 6 पर एक एकल मिशन पर गई थीं। यूरी गागरिन की अंतरिक्ष में पहली मानव-चालित उड़ान के दो साल बाद उन्होंने धरती की परिक्रमा करते हुए 70 घंटे से अधिक समय बिताया। उनकी मां कपड़ा मजदूर थीं और उनके पिता ट्रैक्टर चालक थे, जिन्हें बाद में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान युद्ध नायक के रूप में मान्यता दी गई थी। स्कूल छोड़ने के बाद टेरेश्कोवा अपनी मां के साथ कपड़ा कारखाने में काम करती थीं। इसके बाद स्काइडाइविंग और पैराशूटिस्ट क्लब में शामिल हुईं।

चर्चा में

कला और फुटबॉल की इमर्सिव प्रदर्शनी

जर्मनी के डॉर्टमुंड में जर्मन फुटबॉल संग्रहालय में एक खास प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें दृश्य कला फुटबॉल का मिश्रण नजर आ रहा है।

द ब्यूटीफुल गेम एंड आर्ट- एन इमर्सिव एक्सपीरियंस नाम की यह प्रदर्शनी फुटबॉल के इतिहास और संस्कृति का पता लगाती है। साथ ही कलाकारों द्वारा खेल से प्रेरित कार्यों की विशाल सीरीज भी प्रदर्शित करती है। प्रदर्शनी में पेंटिंग, मूर्तियां, तस्वीरें और वीडियो सहित विभिन्न कलाकृतियां शामिल हैं। ब्रिटिश कलाकार डेमियन हर्स्ट द्वारा विशाल फुटबॉल मूर्ति, जर्मन फोटोग्राफर वोल्फगैंग द्वारा मैचों की छवियां व ब्राजीलियाई कलाकार ओस्वाल्डो गोएनी द्वारा तैयार वीडियो इंस्टॉलेशन प्रमुख आकर्षण हैं। प्रदर्शनी को इमर्सिव अनुभव के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें विजिटर्स को कलाकृति के साथ बातचीत के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इनोवेशन

दुनिया का सबसे तेज क्वेडकॉप्टर ड्रोन

ब्रिटेन के ल्यूक और माइक बेल नाम के पिता-पुत्र की जोड़ी ने क्वेडकॉप्टर ड्रोन की स्पीड का नया विश्व कीर्तिमान बनाया है।

ल्यूक और माइक के पेरेग्रीन2 ड्रोन ने 298 मील (480 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरी, जो पिछले रिकॉर्ड से 65 मील (105 किलोमीटर) प्रति घंटे अधिक है। यह उपलब्धि हासिल करने में उन्हें तीन महीने की कड़ी मेहनत और कई विफलताओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने ड्रोन के डिजाइन में कई बदलाव किए और बार-बार परीक्षण किए, जिसके बाद वह इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल हुए। पेरेग्रीन2 न केवल दुनिया का सबसे तेज क्वेडकॉप्टर ड्रोन है, बल्कि यह कैमरे से लैस सबसे तेज ड्रोन भी है। यह हाइ स्पीड पर उड़ान भरते हुए भी स्पष्ट तस्वीरें और वीडियो कैप्चर कर सकता है।

{ हास्यम } humour

ठहाका

पहाड़ के नीचे वाइ-फाइ सिग्नल आता है

पिछले अंक में पूछा था कि अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे! ऊंट पहाड़ के नीचे ही क्यों आता है, कहीं और क्यों नहीं?

- क्योंकि ऊंट की ऊंचाई बहुत होती और वह अपना बचाव बारिश-तूफान से पहाड़ के नीचे आकर करता है। बाकी और जगह वह बच नहीं सकता। **- जया गुप्ता,** मुंगेली, छत्तीसगढ़
- रेगिस्तान का जहाज क्या जाने पहाड़ का ख्वाब? जब होता है पहाड़ से सामना, ऊंची गर्दन अपने आप नीची हो जाती है। **- गीता चौबे गूंज,** बेंगलूरु
- क्योंकि पहाड़ के नीचे वाइ-फाइ सिग्नल अच्छा आता है। उसे नेटफ्लिक्स देखना था- **याशिका शेखावत, जयपुर**

अगले सप्ताह का सवाल

पानी में रहकर मगर से बैर नहीं करते। मगर से ही क्यों, शार्क या व्हेल से क्यों नहीं?

पाठक अपने फनी जवाब वॉट्सऐप नंबर 8955003879 पर गुरुवार तक भेज दें।

कार्टून कॉर्नर

बतकही | खाली गिर्री हमारे हाथ में रह गई, पतंग डोलती हुई नीचे आई और लूट ली गई

...हमारे कमजोर मांझे की पतंग

ज्ञान चतुर्वेदी
व्यंग्यकार

हवा अनुकूल हो तो पतंग सेंसेक्स जैसी ही आसमान में उठ जाती है। अभी मेरी पतंग उठी हुई थी और मैं उत्तेजित था कि वाह! उधर सेंसेक्स उठने पर वे भी उत्तेजित होकर ही आए थे कि तब कहा था तुझसे कि लगा दे, लगा दिया होता तो...।

इधर सेंसेक्स इतना ऊंचा उठा कि उसके समक्ष जीवन बौना लगने लगा।

हम मूर्ख कि पूछने लगे कि यार ये है क्या? दोस्त हैरान हो गया। ...आपने मार्केट में कुछ लगाया नहीं? ...उसे लगा कि मैं मजाक कर रहा हूं। फिर उसने मुझे विस्तार से समझाया। बोले कि लगाना हो कुछ तो बताना।

यही दोस्त कल घर आया। मैं छत पर पतंग उड़ा रहा था। हवा अनुकूल हो तो पतंग सेंसेक्स जैसी ही आसमान में उठ जाती है। अभी मेरी पतंग उठी हुई थी और मैं उत्तेजित था कि वाह! उधर सेंसेक्स उठने पर वे भी उत्तेजित होकर ही आए थे कि तब कहा था तुझसे कि लगा दे, लगा दिया होता तो...।

'पढ़ा तूने, सेंसेक्स सत्तर को टच कर रहा है। पहले कभी देखा है ऐसा ?' मित्र उत्साहित है। मैं पतंग को लेकर उससे ज्यादा उत्तेजित हूं।

'तू तो मेरी पतंग देख यार। ...अच्छा चल, तू ये गिर्री पकड़।' ...उसने अनमने भाव से गिर्री पकड़ ली। मैं ढील देने लगा। पतंग ऊपर और ऊपर।

'देखा? कितनी ऊपर है मेरी पतंग?' मैं बच्चों-सा उछल रहा हूं।

दोस्त ने जवाब नहीं दिया। वो सेंसेक्स में अभिभूत थे। 'यार, तीन महीने पहले पचपन था, अब सत्तर, वाह! बैठे बिठाए पांच लाख बन गए अपने।' मैं पतंग में और वो सेंसेक्स में- दोनों मग्न।

'यार, पांच मिनट में कैसी चढ़ी मेरी पतंग, देखा?' हम मस्त। मानो जानते ही न हों कि हवा अनुकूल हो तो ये चीजें आसमान पर चढ़ ही जाती हैं।

'हवा तेज है, तेरा मांझा तो मजबूत है न?' दोस्त ने पहली बार पतंग पर कुछ बोला ।

'बढ़िया मांझा सुतवाया है मैंने। तू चिंता न कर। ...और ये जो तेरे सेंसेक्स की हवा है वो?...'

'उसे सेबी कंट्रोल करके रखती है। फॉरेन इन्वेस्टमेंट जोरदार आ रहा है, देखना, दो महीने में अस्सी पकड़ेगा पक्का।' हम बातों में लगे थे कि किसी ने हमारी पतंग पर पेंच डाल दिया।

मैंने तुरंत ढील दी मानो कुछ शेयर निकाल दिए हों। फिर ढील देते चला गया। फिर ढील, फिर खींच। यही चला। तेज। तेज। और तेज। गिर्री खाली हो चली।

कि पतंग कट गई मेरी।

मेरी पतंग का वो काट्टा हो गया। जिस मांझे पर मुझे गर्व और विश्वास था, वो खुद बेसहारा होकर नीचे गिरा और यहां वहां उलझ गया। खाली गिर्री हमारे हाथ में रह गई। हमारी पतंग डोलती हुई नीचे आई और लूट ली गई।

दोस्त देख रहा था यह सब।

'यार, पतंग उड़ाने में यही पचड़ा है।' फिर वो अपने सेंसेक्स पर लौट आया। 'तुझे पैसा लगाना चाहिए।' वो बोला।

मैं चुप था। मैं बड़बड़ाने लगा,

'यार, मांझे पर इतना भरोसा ठीक नहीं।' इधर मेरा दोस्त सेंसेक्स की बातें करने में ही मग्न था।

बताने लगा कि अभी देखना तो कि फॉरेन इन्वेस्टमेंट के चलते सेंसेक्स कहां से कहां ...। कमजोर मांझे की बात को दोस्त सुन ही नहीं रहा।

फनी पहेली

- **पहेली:** देखने वाला उसे पहन न पाए, पहनने वाला उसे देख न पाए। **जवाब:** कफन
- **पहेली:** मांस नहीं, हड्डी नहीं, सिर्फ उंगलियां मेरी। **जवाब:** दस्ताने
- **पहेली:** धूप देखकर मैं आ जाऊं, छांव देख शरमा जाऊं। जब हवा करे मुझे स्पर्श, मैं उसमें ही समा जाऊं। **जवाब:** पसीना
- **पहेली:** पंख नहीं उड़ती हूं, हाथ नहीं लड़ती हूं। **जवाब:** पतंग
- **पहेली:** ऐसी कौन सी चीज है, जो हमें अपने जीवन में दो बार तो मुफ्त मिलती है। लेकिन तीसरी बार हमें पैसे देने पड़ते हैं। **जवाब:** दांत
- **पहेली:** हाथी फरवरी के बजाय जनवरी में ही ज्यादा पानी क्यों पीता है? **जवाब:** क्योंकि जनवरी में ज्यादा दिन होते हैं।
- **पहेली:** कोई आदमी 30 दिन तक बिना नींद लिए कैसे रह सकता है? **जवाब:** रात में नींद लेकर
- **पहेली:** मैं मरूं, मैं कटुं तुम्हें क्यों आसूं आए। **जवाब:** प्याज
- **पहेली:** सिर काटो तो तोला जाऊं, पैर काटो तो वृक्ष बन जाऊं, कमर कटे तो जंगल जानो, जरा मुझे तो तुम पहचानो। **जवाब:** बटन

गुदगुदाते रहें

टीचर- तुम इतनी देर से स्कूल क्यों आए हो?
बच्चा- क्योंकि मेरे मम्मी-पापा लड़ रहे थे।
टीचर- वो लड़ रहे थे तो तुम क्यों देर से आए?
बच्चा- मेरा एक जूता मम्मी के पास और दूसरा जूता पापा के पास था।

वोटर- स्याही कितने दिन में निकल जाती है।
मतदान कर्मचारी- करीब 4 महीने तो लगते ही हैं
वोटर- (सिर आगे करते हुए) सर इसे मेरे सिर में लगा दो, क्योंकि डाई तो सिर्फ 15 दिन में उतर जाती है।

सोनू- वेटर, ऐसी चाय पिलाओ, जिसे पीकर मन.. झूम उठे और बदन नाचने लगे..!!!
वेटर- सर, हमारे यहां तो भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं!

भिखारी- कुछ खाने को दे दो बाबा।
आदमी- बाबा कल की रोटी खा लोगे।
भिखारी- हां खा लूंगा।
आदमी- तो कल आना।

डॉक्टर - तुम्हारा बेटा पागल कैसे हो गया?
पिता - वह पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर - तो इससे क्या हुआ?
पिता - लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, वह पूरा खिसक गया।

व्यंग्य बाण

इनकी बारी है

नेता जी चुनाव जीतकर
अपने नगर में आए
तो लोगों ने उन पर
डलियों फूल बरसाए,
वे जिस गली-चौराहे पर
रुक जाते
लोग उनके चरणों में
झुक जाते,
यह देख एक मुंहलगे
कार्यकर्ता ने उनसे
पूछ लिया
चुनाव के होने तक
आप बड़े नतमस्तक
हुए जा रहे थे,
हर छोटे-बड़े वोटर के
पांव छुए जा रहे थे,
पर आज ऐसा क्या हुआ
कि आपने किसी
वोटर का
पांव नहीं छुआ?
नेता जी बोले,
वो हमारी मजबूरी थी
पर अब तो चुनाव
जीत गए हैं
अब कैसी लाचारी है,
अब आगे
पांच साल तक
पांव छूने की उनकी
बारी है।

*-**विनय शरण,** खैरागढ़*

लोट-पोट

हे मां माताजी

नीट में ग्रेस नंबर प्राप्त करने वाले 1563 अभ्यर्थी फिर देंगे परीक्षा

एसएमएस- पाठकों की तरफ से सोशल मीडिया शेयरिंग

*इस फोटो को देखकर आपके मन में ताजा घटनाओं से संबंधी कोई मजेदार कंटेंट आता है तो लिखकर हमें वॉट्सऐप नंबर **8955003879** पर भेजें। बेहतर और चयनित कमेंट को 'हास्यम' के अगले अंक में प्रकाशित करेंगे।*

रीडर्स रिएक्शन

- संजय दत्त- ये चिराग पासवान को कैबिनेट मंत्री काहे बना दिया? मोदीजी- चल सर्किट.. इसने 5 में से 5 'चिराग' जलाए हैं.. खटाखट खटाखट खटाखट! **- अवनी पाराशर**
- डॉक्टर बनना तो अपुन के हाथ में है, मगर ये मंत्री बनने के वास्ते क्या करना पड़ेगा। **- श्याम मारोडिया**
- राहुल गांधी- ये देखो! इतने साल से प्रधानमंत्री बने जा रहे हैं। मेरी बारी कब आएगी। **- लक्ष्य शर्मा**

पाठक-पाती

- हास्यम पेज हंसी का मजेदार डोज है। इसे पढ़कर दिनभर की टेंशन दूर हो जाती है और हमें इस पृष्ठ का हमेशा इंतजार रहता है। **-वंशिका माहेश्वरी,** जयपुर
- हास्यम पेज ताजगी का अहसास कराता है। संडे के दिन प्रकाशित होने से इसे आराम से बैठकर पढ़ने का मजा ही कुछ और है। **-जयश्री गजाधर,** भोपाल
- हास्य को समर्पित सामग्री बेहद अच्छी है। सभी का व्यंग्य लिखने का अपना तरीका है, जो पसंद आता है। अच्छी पहल की गई है। **-सत्यप्रकाश,** जगदलपुर

पाठक भी हमसे जुड़ सकते हैं *अगर आप अच्छा कार्टून, मीम्स बनाते या फिर सटायर-कमेंट-या फिर हास्य कविता लिखते हैं तो हमसे जुड़ सकते हैं। अपना कंटेंट, हास्य कविता, कार्टून या मीम्स हमें नीचे दिए गए वॉट्सऐप नंबर पर भेजें। ध्यान रहे कि अपनी मौलिक रचना ही भेजें। किसी अन्य की रचना भेजने पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।* इन्हें **वॉट्सऐप नंबर 8955003879 पर गुरुवार तक भेज दें।**

कबीरधाम का मामला

कोमल साहू की संदिग्ध मौत की जांच के लिए एसआईटी गठित

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. कबीरधाम जिले के ग्राम बिरकोना निवासी कोमल साहू की संदेहास्पद मृत्यु की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रकरण की विशिष्टता और संवेदनशीलता के दृष्टिगत अनुसंधान के लिए एक पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में 6 सदस्यीय विशिष्ट जांच दल तत्काल गठित करने के निर्देश दिए थे। जिस पर जांच कमेटी गठित की गई है। समिति को त्वरित जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। बता दें कि साहू समाज ने गृहमंत्री से मुलाकात कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। एसआईटी में रामकृष्ण साहू, पुलिस अधीक्षक, जिला-बेमेतरा, नेहा पाण्डेय, अति. पुलिस अधीक्षक, खैरागढ़, ?मोहन पटेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रभारी सीन ऑफ काइम यूनिट, जिला-दुर्ग, तनुप्रिया ठाकुर, उपुअ (अजाक), जिला-राजनांदगांव, विजय मिश्रा, निरीक्षक जिला-राजनांदगांव, मयंक मिश्रा, उप निरीक्षक जिला-बेमेतरा शामिल हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को पत्नी शोक

अंबिकापुर. छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव की पत्नी इंदिरा सिंह का शनिवार की सुबह 8 बजे अंबिकापुर स्थित तपस्या में निधन हो गया। वे पिछले 6 महीने से कैंसर से जूझ रही थीं। उन्हें मुंबई से एयर एंबुलेंस से गुरुवार को अंबिकापुर लाया गया था। उनका अंतिम संस्कार दोपहर करीब 3 बजे शहर के रानी तालाब में किया गया। मुखाग्नि उनके पति सिंहदेव ने दी।

नीट मामले में भाजपाई क्यों हैं मौन : कांग्रेस

रायपुर@पत्रिका. प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने नीट की परीक्षा को लेकर भाजपा को घेरा है। उन्होंने कहा, नीट परीक्षा कांड के बारे में भाजपा नेताओं की बोलती क्यों बंद है? बिना किसी तथ्य के केवल राजनीति करने के लिए छत्तीसगढ़ पीएससी में गड़बड़ी के आरोप लगाने वाले और पीएससी की सीबीआई जांच कराने वाली भाजपा नीट परीक्षा की गड़बड़ियों पर खामोश क्यों है? नीट परीक्षा के घपले की सीबीआई जांच क्यों नहीं करवाई जा रही है? केंद्र सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण देश के 25 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं का भरोसा नीट से उठ गया है।

पूरी सरकार आत्म अवलोकन करें : बैज

रायपुर@पत्रिका. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य सरकार पर सियासी हमला बोला है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मंत्रियों के विभागों की समीक्षा फिजूल की कवायद है। मुख्यमंत्री को मंत्रियों के विभागों की समीक्षा के बजाय अपनी पूरी सरकार आत्म अवलोकन करना चाहिए। 6 माह में भाजपा सरकार विफल साबित हुई है, सिर्फ मंत्रियों के विभागों की समीक्षा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

नारायणपुर दो दिन पहले कुतुल के जंगल में सर्चिंग पर निकले थे 1000 जवान

फोर्स का अबुझमाड़ में ज्वाइंट ऑपरेशन 8 नक्सली ढेर, एसटीएफ जवान शहीद

मुठभेड़ में दो जवान घायल, सभी मृत नक्सलियों के शव बरामद

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नारायणपुर/जगदलपुर. अबुझमाड़ में एक बार फिर फोर्स को 8 नक्सलियों को ढेर करने में कामयाबी मिली है। दो दिन पहले नारायणपुर, कोण्डागांव, कांकेर, दन्तेवाड़ा से डीआरजी, एसटीएफ व आईटीबीपी और बीएसएफ के हजार से ज्यादा जवान ज्वाइंट ऑपरेशन पर निकले थे। इसी दौरान माड़ के कुतुल इलाके में नक्सलियों के जमावड़े की खबर पर फोर्स ने अपना मूवमेंट इस इलाके की ओर किया।

शनिवार को यहां जवानों का नक्सलियों से सामना हो गया। मुठभेड़ शुरू हुई और कुछ घंटे के बाद जवानों ने 8 नक्सलियों के शव बरामद किए। इसी बीच एसटीएफ जवान नितिश एक्का (27) शहीद हो गए। नीतिश नेताम (28) निवासी कोण्डागांव, कैलाश नेताम (33) निवासी कोण्डागांव घायल हो गए। जिन्हें बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर ले जाया गया। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

सीएम साय ने जवान की शहादत पर जताया दुख

मुठभेड़ में शहीद एसटीएफ जवान नितिश एक्का की शहादत पर सीएम विष्णुदेव साय ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सीएम ने कहा कि लगातार कार्रवाई से नक्सली विचलित हैं। उनके खात्मे के लिए हमारी सरकार पूरी तरह तत्पर है और जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता तब तक कार्रवाई नहीं रुकेगी।

शहीद नितिश एक्का

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मुठभेड़

अबुझमाड़ में जिस जगह पर मुठभेड़ हुई वह इलाका छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर से लगा हुआ है। कुतुल इलाके के फरसबेड़ा और कोड़तामेटा इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद होने की सूचना पर ऑपरेशन लॉन्च किया गया और यह सफलता मिली। इस साल जनवरी से अब तक 160 दिन में जवानों ने 140 नक्सली ढेर किए गए हैं।

मुठभेड़ में कुछ नक्सली बॉर्डर की ओर भागे

मुठभेड़ जब शुरू हुई तब वहां अच्छी खासी संख्या में नक्सली मौजूद थे। फोर्स ने नक्सलियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। मिली जानकारी के अनुसार नक्सली इस दौरान सिर्फ खुद को कवर करते रहे। जवानों की संख्या नक्सलियों से ज्यादा थी, वे नक्सलियों पर भारी पड़ रहे थे। ऐसी स्थिति में नक्सली जंगल की आड़ में महाराष्ट्र बॉर्डर की ओर भागने लगे। फोर्स का इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

लगातार लॉन्च कर रहे ऑपरेशन

कभी नक्सलियों के लिए अबुझमाड़ सबसे सुरक्षित इलाका था। इसे नक्सलियों की राजधानी भी कहा जाता था। यहां नक्सलियों के टॉप लीडर का हमेशा जमावड़ा रहता था। अप्रैल से लेकर अब तक 5 बड़े ऑपरेशन माड़ इलाके में लॉन्च किए गए हैं और उन ऑपरेशन में 32 नक्सली मारे जा चुके हैं।

अप्रैल से अब तक हुए एनकाउंटर

- 2 अप्रैल को बीजापुर के करचोली में 13 नक्सली ढेर
- 5 अप्रैल को दंतेवाड़ा में 1 नक्सली ढेर।
- 15 अप्रैल को कांकेर में 15 नक्सली मारे गए।
- 29 अप्रैल को नारायणपुर में 10 नक्सली ढेर।
- 10 मई को बीजापुर में 12 नक्सली मारे गए।
- 23 मई को अबुझमाड़ के रेकावाया में 8 नक्सली ढेर।
- 8 जून को अबुझमाड़ के आमदई में 6 नक्सली ढेर।
- 10 जून को बीजापुर में 12 नक्सली मारे गए।
- 15 जून को अबुझमाड़ के कुतुल में 8 नक्सली मारे गए।

बलौदाबाजार हिंसा में शामिल हैं सभी आरोपी

जांजगीर-चांपा में 40 आरोपियों को तलाश रही पुलिस, सभी के मोबाइल बंद

बलौदाबाजार हिंसा

पत्रिका ब्यूरो @ जांजगीर-चांपा . बलौदाबाजार में कलेक्टर-एसपी कार्यालय को आग के हवाले करने वाले लोगों में जांजगीर-चांपा जिले के भी 40 लोग शामिल रहे। इनकी तलाश में पुलिस जुट गई है। इनके मोबाइल नंबर बंद होने से पुलिस इन्हें पकड़ नहीं पा रही है। हालांकि पुलिस इनका मोबाइल लोकेशन तलाश कर इनके ठिकाने की तलाश कर रही है। बलौदाबाजार एसपी ने इन्हें पकड़ने दो दर्जन पुलिसकर्मियों को लगाया है, जिसमें जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा टीआई अशोक वैष्णव भी शामिल हैं, जो बलौदाबाजार की घटना में संलिप्त लोगों की पड़ताल कर रहे हैं। बता दें, 10 जून को बलौदाबाजार जिले में सतनामी समाज के लोग जैतखाम को तोड़े जाने के विरोध में आक्रोशित हो गए थे। आक्रोशित लोगों ने कलेक्टर व एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया था। अब वारदात में शामिल लोगों को चिन्हांकित किया जा रहा है। इसमें जांजगीर-चांपा जिले के 40 लोगों के शामिल होने की सूचना पुलिस को मिली है। पुलिस ऐसे लोगों की तलाशकर रही है। खासकर जैजैपुर, बिर्रा, पामगढ़ थाना क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में शामिल होने बलौदाबाजार गए थे। इनके मोबाइल नंबर तलाश किए जा रहे हैं, लेकिन जिन्होंने वारदात को अंजाम दिया है उनका मोबाइल नंबर बंद बता रहा है। कुछ लोग दीगर प्रांत भाग निकले हैं। तो वहीं कुछ लोग अपना मोबाइल नंबर ही बंद कर घरों में दुबके हुए हैं। इनकी तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

भीम आर्मी का संभागाध्यक्ष गिरफ्तार

रायपुर. बलौदाबाजार में हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस ने शनिवार को 8 और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें भीम आर्मी का रायपुर संभागाध्यक्ष जीवराखन बांधे भी शामिल है। पुलिस ने उसे जगदलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। बताते हैं कि पुलिस ने इससे पहले उसके घर पर भी दबिश दी थी, लेकिन वह नहीं मिला। जगदलपुर से वह विशाखापट्टनम भागने की तैयारी में था। हालांकि, पुलिस को पहले ही इसकी खबर मिल गई और उसे उसके साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि बलौदाबाजार हिंसा में भीम आर्मी के अलावा भीम क्रांतिवीर संगठन की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।

बलौदाबाजार की घटना में जिन लोगों की संलिप्तता है उनकी तलाश की जा रही है। उनके घरों में भी दबिश दी जा रही है। लेकिन अधिकतर लोगों का मोबाइल नंबर बंद है। इसके चलते उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है।
-अशोक वैष्णव, इंस्पेक्टर, बलौद

गृह विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिखाए सख्त तेवर

आम जनता के बीच पुलिस की सख्त और संवेदनशील छवि दिखनी चाहिए: सीएम

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. पिछले तीन दिनों से समीक्षा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विभागों के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। तीसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री साय ने अपने निवास कार्यालय में गृह एवं जेल विभाग और पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने सख्त तेवर दिखाए।

उन्होंने कहा, प्रदेश में किसी भी कीमत पर कानून और व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े। यदि ऐसा होता है तो जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, आम जनता के बीच पुलिस की सख्त और संवेदनशील छवि दिखनी चाहिए। जनता का विश्वास पुलिस पर रहे, इसके लिए एक मेकैनिज्म बनाने की आवश्यकता है। जनता का जितना विश्वास पुलिस पर रहेगा उतना ही अच्छा होगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ सहित गृह एवं जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान सीएम साय ने बैठक में बरसात के दिनों में प्रदेश में स्वच्छ पेयजल के लिए पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए पीएचई विभाग के टोल-फ्री नम्बर 1800-233-0008 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाते हुए राज्य के हर घर में पाइपलाइन के जरिए शुद्ध पेयजल पहुंचाने का शत-प्रतिशत लक्ष्य जल्द हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए शुद्ध पेयजल के लिए जलापूर्ति व्यवस्था के आवश्यक रखरखाव और मरम्मत का कार्य पूर्ण करने को कहा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने बैठक में जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पेयजल व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए संचालन-संधारण नीति जल्द तैयार करने की जरूरत बताई।

नए कानून की सभी तैयारियां पूरी कर लें

मुख्यमंत्री ने कहा, नए कानून जो जुलाई में लागू हो रहे हैं इसके लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां कर ली जाए। प्रदेश में नशाखोरी, जुआ और सट्टा पर सख्ती से रोक लगाई जाएं। अवैध शराब, जुआ, सट्टा से संबंधित शिकायतें नहीं आनी चाहिए, इसके लिए जिले स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाएं। जुआ और सट्टा बंद होने चाहिए। चिटफंड कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएं और कंपनियों से रिकवरी कर निवेशकों को उनकी राशि शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं।

दिखनी चाहिए पुलिस की धमक

मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस प्रशासन की धमक हर क्षेत्र में दिखनी चाहिए। माओवाद का अंतिम रूप से खात्मा करना हमारा लक्ष्य है। माओवादी आतंक के खिलाफ हमारा अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में पुलिस को अच्छी सफलता मिल रही है। इसके लिए पुलिस बधाई के पात्र है। माओवाद के खिलाफ पुलिस को अच्छी सफलता मिल रही है, यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। नियद नेल्लानार योजना के तहत पुलिस कैम्पों के पांच किलोमीटर की परिधि में आने वाले गांवों के विकास के लिए राशि की कमी नही होगी। इस गांवों के विकास के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। इस योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राशि की कमी नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने समीक्षा बैठक में कहा, लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति से निपटने के लिए एसओपी बनाने की आवश्यकता है ताकि लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति निर्मित होने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन को प्रशिक्षित भी किया जाए। उन्होंने कहा, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जिलों का दौरा करेंगे और कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।

ये निर्देश भी दिए

- प्रदेश के नवगठित जिलों में जहां अजाक थाने नहीं है, वहां शीघ्र अजाक पुलिस थाने खोले जाएं।
- पुलिस विभाग में रिक्त पदों की भर्ती और पदोन्नति की कार्रवाई शीघ्र की जाएं।
- पुलिस की क्षमता विकास के लिए अधिकारियों और जवानों के प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।
- पुलिस को सुदृढ़ और दक्ष बनाने के लिए नहीं होगी संसाधनों की कमी।
- 5 महिला थाने और 4 नवीन साइबर थाने प्रारंभ होंगे ।

भूपेश ने कहा- बलौदाबाजार की घटना के पीछे भाजपा नेताओं का हाथ

रायपुर@पत्रिका. बलौदाबाजार की घटना को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा के तुष्टिकरण नीति और लापरवाही का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा, वहां के पूरे आयोजन के पीछे भाजपा के नेता ही थे। भाजपा के नेताओं ने ही भीड़ को भड़काकर पूरे घटना को अंजाम दिया। बलौदाबाजार का आम आदमी डरा सहमा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि धार्मिक आधार पर हिंसा भड़काना भाजपा का पुराना चरित्र रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने छत्तीसगढ़ को कलंकित करने का काम किया है। इस घटना में आम आदमी को निशाना बनाया गया है। नागरिकों को भयमुक्त वातावरण देना और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जवाबदारी सरकार की है। उन्होंने कहा, कुछ प्रश्न है, जिनके जवाब सामने आ जाए तो सारा मामला साफ हो जाएगा। इस पूरे आंदोलन में भाजपा के जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े सहित अन्य भाजपा नेताओं की भूमिका की जांच हो। इतनी बड़ी घटना के बाद भड़काऊ भाषण देने वाले भीम आर्मी के लोगों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। नागपुर से 250 से अधिक लोग आए थे वो कौन थे? सरकार ने उन पर नजर क्यों नहीं रखी थी। भीड़ में लोग लाठी, डंडा लेकर आए थे प्रशासन क्या कर रहा था। उनको रोका क्यों नहीं गया। रैली की शुरुआत से ही उपद्रव शुरू हो गया था उसके बावजूद लोगों को कलेक्ट्रेट क्यों जाने दिया गया। भीड़ को रोकने की कोशिश क्यों नहीं हुई।

मेडिकल कॉलेजों में लोकल पर्चेस दवा के लिए सिर्फ 10% बजट, यह नाकाफी

रायपुर. मेडिकल कॉलेजों व इससे संबद्ध अस्पतालों में दवा का केवल 10 फीसदी बजट लोकल पर्चेस के लिए रखा गया है। प्रबंधन का कहना है कि जरूरत के हिसाब से यह नाकाफी है। इमरजेंसी में कोई दवा या रीएजेंट खरीदना हो तो सीजीएमएससी का मुंह ताकना पड़ता है। कुल बजट का 90 फीसदी बजट कॉर्पोरेशन के पास होता है। इसलिए समय पर दवा, रीएजेंट या सीरीज की सप्लाई नहीं होने मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पिछले कुछ माह से आंबेडकर अस्पताल में रीएजेंट की कमी के कारण खून की जांच नहीं हो रही थी। इसके बाद बिलासपुर से रीएजेंट मंगाकर काम चलाया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों में दवा से लेकर उपकरण व मशीनों की खरीदी सीजीएमएससी करती है। इमरजेंसी या अस्पताल में उपलब्ध नहीं होने वाली दवाओं को दवा कॉर्पोरेशन के बजाय जब प्रबंधन खरीदता है तो इसे लोकल पर्चेस कहा जाता है। उदाहरण के लिए आंबेडकर अस्पताल में दवा का बजट 28 करोड़ के आसपास है।

रायपुर में खुलेंगे सिविल सर्विस के टॉप कोचिंग इंस्टीट्यूट

रायपुर. देश के सिविल सर्विस के टॉप कोचिंग इंस्टीट्यूट अब रायपुर में अपनी शाखा खोलेंगे, जिससे राज्य के अनुसूचित जाति, जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को दिल्ली के अलावा रायपुर में भी उच्च स्तरीय कोचिंग की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके लिए आदिम जाति विकास विभाग ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने दिल्ली के ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा कर छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के प्रतिनिधियों से बात की। इन संस्थानों के छात्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं और पठन-पाठन के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, उन्होंने रायपुर में इन कोचिंग इंस्टीट्यूट्स की शाखाएं खोलने के विषय पर भी चर्चा की। प्रमुख सचिव ने पूछा, यदि रायपुर में उनकी शाखाएं खोली जाती हैं, तो उन्हें शासन से किस प्रकार की मदद चाहिए होगी। इस संबंध में कोचिंग संस्थानों को एक हफ्ते में अपनी रिपोर्ट विभाग को प्रेषित करने को कहा है।

सीएम बोले- स्टूडेंट्स बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण कोचिंग सुविधा के साथ-साथ बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है। रायपुर में कोचिंग इंस्टीट्यूट खुलने से अनुकूल वातावरण में विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। अब छात्रों को दिल्ली या अन्य महानगरों की दौड़ नहीं लगानी होगी।

फादर्स-डे स्पेशल : पिता का अंतिम संस्कार नहीं कर पाए तो लावारिश शवों के अंतिम संस्कार का उठाया बीड़ा

लावारिस शवों का तंगहाल वारिस, 20 सालों में 1689 को दे चुके सद्गति

दुर्ग @ पत्रिका. पिता का अंतिम संस्कार नहीं कर पाने की पीड़ा ने बेटे को इस कदर झकझोरा कि उसने प्रायश्चित में लावारिस लाशों का वारिस बनकर अंतिम संस्कार का बीड़ा उठा लिया। भिलाई के प्रकाश गेड़ाम के परिवार की माली हालत ठीक नहीं है, छोटी दुकान से परिवार का गुजारा चलता है, फिर भी जुनून के ऐसे पक्के कि पिछले 20 सालों से इस संकल्प को पूरा करने में जुटे हैं। प्रकाश अब तक 1689 लावारिसों लाशों का अंतिम संस्कार कर चुके हैं। इतना ही नहीं अब बुजुर्गों की सेवा के साथ देहदान और दिव्यांगों के विवाह की भी मुहिम चला रहे है। प्रकाश गेड़ाम बताते हैं कि रोजी-रोटी के संकट के कारण उनका परिवार वर्ष 1982 में महाराष्ट्र अकोला से भिलाई आ गया।

47 देहदान और 1778 विकलांगों का करा चुके विवाह

गेड़ाम मेडिकल सेवा के लिए देहदान की मुहिम में भी जुटे हैं। उन्होंने स्वयं देहदान किया है। परिवार के लोग भी देहदान कर चुकें हैं। आस्था नामक संस्था बनाकर आगे बढ़ा रहे प्रकाश अब तक 1200 देहदान करा चुके हैं। इनमें से 47 देह समर्पित भी हो चुका है। वहीं 19 सालों से दिव्यांगों की विवाह के अभियान में भी जुटे हैं। वे अब तक 1778 दिव्यांगों की विवाह भी करा चुके हैं। फिलहाल वे 301 दिव्यांगों के सामूहिक विवाह की तैयारी में जुटे हैं।

प्रकाश गेड़ाम

75 बुजुर्गों की बेटे की तरह सेवा

गेड़ाम लावारिस लाशों के अंतिम संस्कार तक ही नहीं रूके। उन्होंने बेसहारा बुजुर्गों की बेटे की तरह सेवा का भी बीड़ा उठाया है। उन्होंने बताया कि एक अंतिम संस्कार के दौरान किसी बुजुर्ग ने लावारिस लाशों की चिंता और जीवित बुजुर्गों की अनदेखी की बात कहते हुए ताना मारा। इसके बाद उन्होंने उक्त बुजुर्ग और एक अन्य को घर लाकर सेवा शुरू की। मां ने भी दो बेसहारा बुजुर्गों को घर में आश्रय दिया। इस तरह बुजुर्गों की सेवा शुरू हुई। अब उनके आश्रय में 75 बेसहारा बुजुर्ग हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ पहुंचे तोखन साहू, कहा-

डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का तेजी से होगा विकास

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बिलासपुर के सांसद तोखन साहू ने कहा, छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया है। डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा। हम सब मिलकर काम करेंगे।

छत्तीसगढ़ व देश का गौरव बढ़ाने का काम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू शनिवार को दिल्ली से लौटने के बाद रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा, दिल्ली में सभी मंत्रियों की बैठक भी हुई है। सबका साथ-सबका विकास भाजपा का मूल मंत्र है। इसी सिद्धांतों के अनुसार हम सब काम करेंगे। पिछली बार देखने को मिला था कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सरकार की मदद तो करती है, लेकिन उस अनुपात में नहीं करती थी। इस बार डबल इंजन की सरकार है। छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा, हम सब मिलकर काम करेंगे। तोखन साहू का भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक मोतीलाल साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता एयरपोर्ट पर मौजूद थे।

रायपुर. तोखन साहू को भामाशाह साहू समाज भवन में लड्डुओं से तौला गया।

योग बॉडी, माइंड और सोल को जोड़ता है। न केवल रोगों के निवारण में सहायक है बल्कि यह स्वस्थ जीवन जीने की पद्धति है। ऐसा माना जाता है कि योग से व्यक्ति की चेतना ब्रह्मांड की चेतना से जुड़ जाती है जो मन-शरीर, मानव एवं प्रकृति के बीच परिपूर्ण सामंजस्य का द्योतक है।

स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं तक की यात्रा योग

योग का अर्थ जीवन में संतुलन है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं 'समत्वं योग उच्यते'। समत्वं का अर्थ संतुलन है। सुख-दुख, लाभ-हानि, जय-पराजय, मान-अपमान, ठण्ड-गर्मी प्रत्येक स्थिति में संतुलन बनाए रखना ही योग का मुख्य लक्ष्य है। योग के जरिए ही तन, मन व आत्मा में संतुलन लाकर आप बहुआयामी विकास के पथ पर बढ़ सकते हैं। योग से कार्य उत्पादकता व कुशलता बढ़ती है।

मिथकों को तोड़ना जरूरी

योग को किसी धर्म से न जोड़ें। यह एक विज्ञान है और सभी के लिए सार्थक है। योग करने के लिए शरीर लचीला होना चाहिए यह भ्रान्ति है। योग करने वाले शरीर से अकड़न चली जाती है। इससे दर्द होना भी भ्रान्ति है। जबकि यह दर्द से राहत देता है। योग कसरत नहीं, सहजता से किया जाने वाला प्रयोग है।

जानिए योग के आठ अंगों के बारे में...

इसके आठ अंग हैं-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि

1. **यम :** यह सामाजिक नैतिकता से जुड़ा है, जिसके पांच प्रकार-अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह अर्थात जितना जरूरी है उतना ही रखना। संग्रह न करना। वाणी व आचरण से यदि किसी को चोट पहुंचाते हैं तो वह एक तरह की हिंसा है।
2. **नियम :** पांच नियम होते हैं, शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान यानी ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण। शरीर, मन, चेतना का शुद्धिकरण शौच है। जो भी काम हम करते हैं, उसके प्रति संतुष्टि का भाव संतोष होता है। स्वयं को अनुशासित करना तप होता है और स्वयं का अध्ययन ही स्वाध्याय है।
3. **आसन :** योग में कहा गया है कि जिस प्रकार जगत में 84 लाख योनियां मानी गई हैं, उसी तरह 84 आसन प्रमुख हैं।
4. **प्राणायाम :** प्राणायाम का अर्थ है प्राण को विस्तार देना, यह सेतु है चेतना व शरीर के मध्य। प्राणायाम के द्वारा परम स्वास्थ्य को प्राप्त करते हैं। श्वास सम्बन्धी बीमारियों के लिए यह रामबाण है। इसे किसी योग प्रशिक्षक से सीखना चाहिए।
5. **प्रत्याहार :** यह बाह्य योग का हिस्सा है। प्रत्याहार का अर्थ है कोई भी मंत्र, जिसमें सहजता महसूस करें। जपते रहें।
6. **धारणा :** मन को एकाग्र करने के लिए जो भी ध्येय विषय है उस पर स्थिर होना होता है। मन को स्थिर कर अभ्यास करना बेहद जरूरी है।
7. **ध्यान :** जिसका भी हम ध्यान करें उसे तदरूप करें। उसमें चित्त का विलीन हो जाना ध्यान की स्थिति है।
8. **समाधि :** समाधि में सभी प्रकार की वृत्तियों का निरोध हो जाता है। आदमी इन सब वृत्तियों से ऊपर उठ जाता है।

शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता

वर्तमान में योग के द्वारा शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक, समस्याओं का समाधान हो रहा है। योग से पाचन अंगो की शक्ति बढ़ती है। पाचन अंगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। योग से हृदय, रक्त, फेफड़े व तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और मस्तिष्क का संतुलन बना रहता है।

चेतना को एक लय में लाता

योग की विशेषता है कि यह शरीर की चेतना को एक लय में लाता है। इसमें कुछ सावधानियां भी बरतें। योग हमेशा खाली पेट ही करें। जगह समतल हो, आसन बिछाकर योग करें। मस्तिष्क शांत रखें। यदि भोजन किया है तो उसके 3-4 घंटे बाद योग करें। इस समय आरामदायक कपड़े पहनें। योग का स्थान हवादार व शांति वाला हो। माइंडफुलनेस के साथ योगाभ्यास करें। पहले शिथिल करने वाले आसन के साथ प्रारम्भ करें, कठिन आसन से कभी प्रारम्भ न करें। योगासन में श्वास पर ध्यान दें।

- डॉ. नागेंद्र कुमार नीरज
मुख्य चिकित्सा प्रभारी व निदेशक, पतंजलि योगग्राम, हरिद्वार

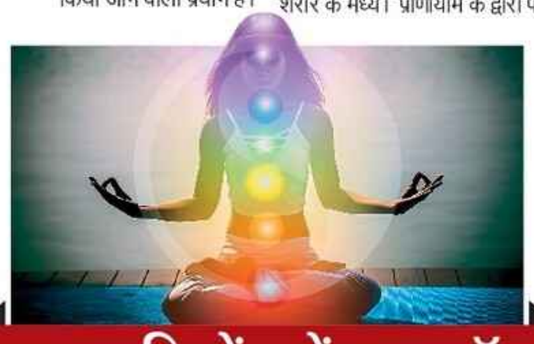

7 चक्र, जिन्हें करें अनब्लॉक

शरीर में ऊर्जा का केन्द्र बिंदु सात चक्रों को माना जाता है। इनसे जीवन ऊर्जा प्रवाहित होती है। जब ये संतुलन में होते हैं तो जीवन ऊर्जा उनके माध्यम से आगे बढ़ने और आसपास की दुनिया से जोड़ने में सक्षम होती है। इन्हें सूक्ष्म ऊर्जा प्रदान करने वाला माना जाता है, जो अंगों, मन और बुद्धि को सर्वोत्तम स्तर पर काम करने में मदद करते हैं।

1. मूलाधार चक्र

यह पहला चक्र है जिसे रीढ़ की हड्डी के आधार पर स्थित माना जाता है। यह लाल रंग और पृथ्वी तत्त्व से जुड़ा हुआ है। यह शरीर के दाएं-बाएं हिस्से में संतुलन बनाने व अंगों का शोधन करने का काम करता है।

- ***यह करें*** - स्वस्तिकासन, पश्चिमोत्तानासन जैसे आसन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं।

2. स्वाधिष्ठान चक्र

यह जननेंद्रिय के ठीक ऊपर होता है। जल तत्त्व का प्रतिनिधित्व करता है। पुरुषों में टेस्टीज और महिलाओं में अंडाशय की कार्यप्रणाली को सुचारू रखता है। प्रजनन प्रणाली के साथ हार्मोन के स्राव को नियंत्रित करता है।

- ***यह करें*** - संतुलन के लिए शीर्षासन, मंडूकासन, कपालभाति 10-15 मिनट के लिए करना लाभकारी है।

3. मणिपूरक चक्र

यह नाभि के नीचे होता है, जो कि अग्नि तत्त्व से जुड़ा होता है। यह पाचन व अंतः स्रावी ग्रंथि से जुड़ा है। पाचन संबंधी सभी तरह के विकारों को ठीक करता है। यह शरीर में गर्मी-सर्दी के सामंजस्य को बनाता है।

- ***यह करें*** - पवनमुक्तासन, मंडूकासन, भस्त्रिका व कपालभाति प्राणायाम 10-15 मिनट रोजाना कर सकते हैं।

4. अनाहत चक्र

हृदय और फेफड़ों से जुड़ा हुआ यह चक्र हृदय प्रणाली के मध्य में स्थित माना जाता है। हृदय चक्र निचले चक्रों को उच्च स्तर चक्रों से जोड़ता है। इसका तत्त्व वायु है। यह हृदय और फेफड़ों को सुचारू रूप से चलाने का काम करता है।

- ***यह करें*** - इसके संतुलन के लिए उष्ट्रासन, भुजंगासन, अर्धचक्रासन, भस्त्रिका प्राणायाम करना फायदेमंद है।

5. विशुद्धि चक्र

यह कंठ के गड्ढे में स्थित होता है। यह बेसल मेटाबॉलिक रेट को संतुलित रखता है। पूरे शरीर को शुद्ध करता है। थायरॉइड ग्रन्थि को नियंत्रित रखता है। यह बोलने, सुनने और खुद को व्यक्त करने की क्षमता को नियंत्रित करता है।

- ***यह करें*** - इसके संतुलन के लिए हलासन, सेतुबंधासन और सर्वांगासन प्राणायाम करना लाभकारी होता है।

6. आज्ञा चक्र

यह दोनों भौंहों के बीच होता है। मानसिक स्थिर व शांत रखता है। यह दिमाग की सभी कार्यप्रणाली को नियंत्रित रखता है। ज्ञानचक्षुओं को खोलता है। पीयूष ग्रन्थि, जो पूरे शरीर को नियंत्रित करती है उसे संतुलित रखता है।

- ***यह करें*** - इसके संतुलन के लिए अनुलोम-विलोम, सुखासन, मकरासन और शवासन करना बेहतर माना गया है।

7. सहस्रार चक्र

इसे ब्रह्मरंध्र भी कहते हैं। सिर की सबसे ऊपरी जगह पर होता है। आध्यात्मिकता, ज्ञान और ऊर्जावान विचारों का स्थान है। शेष सभी चक्रों के जाग्रत होने पर यह चक्र स्वतः ही जाग्रत हो जाता है। - ***डॉ. गुंजन गर्ग,*** *आयुर्वेदाचार्य*

न्यूट्रिशन/डाइट यदि रोगों से दूर और पाचन तंत्र को बेहतर रखना है तो...

यौगिक डाइट का पालन करने से रहेंगे स्वस्थ

योगियों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले डाइट प्लान को यौगिक डाइट कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह डाइट शरीर के साथ-साथ विचार और मन को बेहतर करती है। इस डाइट प्लान में किसी भी प्रकार का मांसाहारी खाद्य पदार्थ शामिल नहीं होता है। भोजन को तीन अलग-अलग भागों में बांटा गया है, सात्विक, राजसिक व तामसिक आहार। यौगिक डाइट में ऐसे भोजन को शामिल किया जाता है, जो व्यक्ति के तन और मन को शुद्ध, शक्तिवर्धक, स्वस्थ और प्रसन्नता से भर देता है।

- ***शिल्पी गोयल,*** *आहार विशेषज्ञ*

- **मिताहार** - इसका मतलब है सीमित आहार। जितना भोजन लेने की आवश्यकता है उससे थोड़ा कम ही लें और साथ में भोजन में मिलने वाले तत्त्व भी सीमित मात्रा में हों।
- **पथ्यकारक** -भोजन पुष्टिकारक व सुपाच्य हो। गेहूं, चावल, जौ, दूध-दही, मक्खन, शहद, फल व हरी सब्जियां आदि।
- **अपथ्यकारी** -ऐसा भोजन जिसके सेवन से तामसिक गुणों की उत्पत्ति होती है। कड़वा, मसालेदार, लहसुन, मांस आदि। बने हुए खाने को पुनः गरम कर खाना भी इसमें आता है।

भोजन के चयन में ये बातें ध्यान रखें

साबुत अनाज चुनें जैसे भूरे चावल, क्विनोआ, जई, बाजरा। **जूस** की जगह ताजे फल और सब्जियां खाएं। प्रसंस्कृत तेल उपयोग में न लें। फल, सलाद, नट्स कच्चे ही खाएं।

इस आहार के फायदे

ऊर्जावान रखने में मदद करता। **शरीर** के पाचन तंत्र को मजबूती देता। **मेटाबॉलिज्म** संतुलित रखता।

हर उम्र के लिए योग योग स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है। इसे करने से हम कई सारी बीमारियों से खुद का बचाव कर पाते हैं। महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को इसे रुटीन में शामिल करना चाहिए।

बनाएं दिनचर्या का हिस्सा, बनें निरोगी

बच्चों के लिए

भ्रामरी प्राणायाम ब्रेन को सक्रिय करता

बच्चों के लिए भस्त्रिका और भ्रामरी प्राणायाम अच्छे हैं। सर्वांगासन, शीर्षासन, शशांकासन बच्चों के लिए लाभदायक हैं। सर्वांगासन और शीर्षासन किसी की निगरानी में करना ठीक रहेगा। उत्कटासन, शशांकासन, भ्रामरी प्राणायाम बच्चों के ब्रेन को एक्टिवेट करने के लिए बेहतर है। बच्चों को ताड़ासन विशेष रूप से कराना चाहिए, लेकिन ध्यान रहे कि योग प्रशिक्षक की मदद से ही उन्हें आसन का चयन करना चाहिए।

फायदे: योग बच्चों में एकाग्रता बढ़ाता है। मस्तिष्क एक्टिवेट होने से याददाश्त तेज होती है।

बुजुर्ग के लिए

शीतली व शीतकारी प्राणायाम करें

बुजुर्गों के लिए भस्त्रिका प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम गर्मियों में बहुत अच्छा है। उज्जायी प्राणायाम बुजुर्गों के लिए कारगर है। इसे करना भी सरल है। मुष्टिका बंधन हाथों के लिए बहुत अच्छा है। पवनमुक्तासन, सेतुबंधासन, मर्कटासन व अर्धहलासन दीवार के सहारे से किए जाते हैं।

- ***ढाकाराम,*** *योग विशेषज्ञ*

फायदे: रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जोड़ सही तरीके से काम करने लग जाते हैं।

उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में पेल्विक फ्लोर कमजोर हो सकता है। उसके लिए कुछ आसन करें।

बद्धकोणासन

महिलाओं के लिए यह सबसे अच्छा आसन है। सुखासन में बैठें और कमर व गर्दन सीधी रखें। दोनों पैरों के तलवों को मिलाकर जांघों की ओर लेकर आएं। हाथों से दोनों पंजों को पकड़ें। अब श्वास लेते हुए दोनों घुटने ऊपर लाएं और श्वास छोड़ते हुए नीचे लेकर जाएं। ये अभ्यास 15-20 बार दोहराएं। इससे किडनी सक्रिय होती हैं। पीसीओडी में लाभदायक है। पीरियड्स के दर्द में राहत देता है।

शलभासन

पेट के बल मकरासन में लेट जाएं। दोनों हथेलियों को दोनों जांघों के नीचे रखें। फिर सांस लेते हुए दोनों पैरों को अपनी क्षमता के अनुसार ऊपर उठाएं। एक मिनट रोकें और पुनः सांस छोड़ते हुए नीचे लाएं। यह प्रजनन अंगों को मजबूती देता है। किडनी, ब्लेडर व पेट के अंदर अन्य अंग सक्रिय होते हैं। इसे हर्निया व स्लिप डिस्क के रोगियों को नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था में नहीं करें।

उष्ट्रासन

वज्रासन में बैठकर दोनों घुटनों पर खड़े हों। सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर से लेकर जाते हुए पीछे दोनों एड़ियों को पकड़ें और 30 सेकंड रुकें। सांस छोड़ते हुए हाथों को ऊपर लाएं और शशांकासन में बैठ जाएं। यह प्रजनन अंगों को मजबूत बनाता है।

सुंदरता बनाए रखने के लिए सुंदरता बनाए रखने के लिए तनावमुक्त जीवनशैली रखें। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए शशांकासन, सर्वांगासन, हलासन और त्रिकोणासन करना चाहिए। कुछ प्राणायाम जैसे नाड़ी शोधन प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम करें।

- ***दीपिका शर्मा,*** *योग विशेषज्ञ*

सूक्ष्म व्यायाम...

कुछ मिनट में आप हो जाएंगे रिलैक्स

- **गर्दन को घुमाना** - अपनी गर्दन घुमाएं। पांच-छह बार घड़ी की दिशानुसार और फिर उसके उलट दिशा में सिर को घुमाएं। इससे गर्दन को आराम मिलेगा।
- **आंखों को घुमाना** - आइबॉल्स को 5-6 बार घड़ी की सुई की दिशा में और उसके विपरीत घुमाएं।
- **भौंहों की मसाज** - 5-6 बार अंगूठे और तर्जनी अंगुली से भौंहों को अच्छे से दबाएं। तनाव दूर होगा।

जानना जरूरी है

सवाल : योग करते समय क्या पानी पीना चाहिए?
जवाब : योग के समय प्यास का अहसास नहीं होता है, लेकिन प्यास लगे तो 2-4 घूंट पानी पिया जा सकता है।

सवाल : क्या अन्य एक्सरसाइज करने के बाद योग किया जा सकता है?
जवाब : वॉक या अन्य हल्की एक्सरसाइज की जा सकती है। यह वार्मअप के लिए होता है। ध्यान रखें योग के समय हार्ट बीट सामान्य होनी चाहिए। धड़कन तेज नहीं हो।

सवाल : योग की सही उम्र क्या है और किस जगह पर करना बेहतर होता है?
जवाब : योग आठ वर्ष की उम्र से शुरू करना सर्वोत्तम है। योग के लिए साफ-स्वच्छ, हवादार और खुली जगह स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है।

सवाल : यदि भोजन के बाद योग किया जाए तो क्या नुकसान हैं?
जवाब : भोजन करने के बाद योग करने से पाचन तंत्र गड़बड़ा सकता है। पाचन तंत्र में गड़बड़ी अन्य रोगों का कारण बनती है।

लाइफ लाइन हैलो डॉक्टर

योगासन के जरिए शरीर में बढ़ाया जा सकता है लचीलापन

पत्रिका की घर बैठे निशुल्क डॉक्टरी सलाह से जुड़ी पहल लाइफलाइन के तहत विभिन्न राज्यों से पाठकों ने योग से जुड़े सवाल भेजे हैं।

एक दर्शक, मेरी उम्र 25 साल है। मैं योग की शुरुआत करना चाहती हूं, पर शरीर में लचीलापन नहीं है। इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए ?

अगर आपके शरीर में किसी भी तरह का लचीलापन नहीं है तो आपको बिना किसी देरी के योग करना शुरू कर देना चाहिए। योगासन से शरीर को लचीला बनाया जा सकता है। यह भी एक कारण है कि जिनके शरीर में लचीलापन नहीं होता वे कई बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। उनका वजन बढ़ सकता है। उन्हें साधारण शारीरिक गतिविधियों में भी दिक्कत आती है। ऐसे योगासन हैं, जिनसे शरीर का लचीलापन बढ़ता है। धनुरासन, चक्रासन और पद्मासन आदि का अभ्यास करने से आपको काफी लाभ मिलेगा।

अनामिका, मैं गर्भवती हूं और गर्भावस्था के दौरान योग के अभ्यास के बारे में थोड़ा उलझन में हूं, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि गर्भावस्था के दौरान कौन से योगासन फायदेमंद होते हैं और किनसे बचना चाहिए?

इस समय योगासन बहुत सावधानी से करना चाहिए। इस समय कौन से आसन करने चाहिए उससे ज्यादा जरूरी यह जानना है कि कौन से योगासन नहीं करने चाहिए। आगे की ओर झुकने वाले आसन, कमर को झुकाने वाले आसन और कमर को पीछे की ओर झुकाने वाले आसन नहीं करने चाहिए। आप वह आसन कर सकती हैं जिसमें कमर सीधी हो। आप किसी की देखरेख में लेग ट्विस्टिंग आसन कर सकते हैं। आप अनु विलोम या प्राणायाम कर सकते हैं। ध्यान रहे योग प्रशिक्षक के निर्देशन में ही आसन करें।

किंजल, मेरी उम्र 60 साल है। मैं कई वर्षों से योग का अभ्यास कर रही हूं और अब मैं योग निद्रा में रुचि रखती हूं। क्या आप योग निद्रा के उन्नत अभ्यास के बारे में बता सकते हैं और क्या कोई विशेष तैयारी की आवश्यकता होती है?

योग निद्रा के लिए किसी खास तैयारी की जरूरत नहीं होती। इसे शांत जगह पर कर सकते हैं। अपनी योगा मैट पर सीधे लेट जाएं। फिर धीरे-धीरे अपने हाथ, पैर और सभी मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें। अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। फिर धीरे-धीरे आसपास के माहौल को महसूस करें। कहा जाता है कि अगर कोई व्यक्ति आठ घंटे सोता है, तो वह बहुत सक्रिय हो जाता है। इसी तरह, अगर आप दो घंटे भी सही तरीके से योग निद्रा लेते हैं, तो आपका पूरा शरीर सक्रिय हो जाता है।

- ***उमेश शर्मा,*** *योग विशेषज्ञ*

पाठकों के शेष सवालों के जवाब को लिंक से भी देख सकते हैं-shorturl.at/us3Ca

इस क्यूआर कोड को स्कैन करें।

इस सप्ताह पूछें डायबिटीज से जुड़े सवाल

पत्रिका लाइफलाइन में इस सप्ताह डायबिटीज से जुड़े सवाल पूछें। आपके सवालों के जवाब 23 जून के अंक में एक्सपर्ट देंगे।

ध्यान रखें: सभी सवालों के जवाब यहां प्रकाशित करना संभव नहीं है। इसलिए शेष जवाब 21 जून को पत्रिका टीवी के 'हैलो डॉक्टर' शो में दोपहर 1:00 बजे और फेसबुक लाइव में देख सकेंगे। सवाल विस्तार से लिखकर गुरुवार तक वॉट्सऐप नं. 8955003879 पर भेज दें। (*यह डॉक्टर का नहीं, पत्रिका हैल्थ डेस्क का नंबर है। यहां फोन न करें। वॉट्सऐप पर जवाब नहीं दिए जाते हैं। यह मेडिको लीगल के लिए मान्य नहीं है।)

नोट- डॉक्टरी सलाह से ही कोई नुस्खा या दवा लें।

योग विज्ञान: सीरीज-18 वात, पित्त और कफ यानी त्रिदोष की विषमता को दूर करने के लिए उज्जायी प्राणायाम करना बेहतर माना जाता

अपनी प्रकृति को पहचानें, उसके अनुसार ही करें योग

अतुल व्यास
सेलिब्रिटी योग प्रशिक्षक
patrika.com

कुछ वर्ष पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने आर्टिकल 'yoga can wreck your body' छापा। इसमें योग की निगेटिव तस्वीर बताई। उसके बाद अमरीका से पत्रकारों को भारत बुलाया गया। इसमें मेरा भी सेशन था। मैंने बताया कि योग ही नहीं, कोई भी व्यायाम गलत तरीके से करें तो नुकसान निश्चित है। आसन का चुनाव अपनी प्रकृति के अनुसार करना चाहिए।

हर व्यक्ति अपनी प्रकृति जन्म से लेकर पैदा होता है। उसकी प्रकृति जानने के लिए 'योग' आयुर्वेद की सहायता लेता है। आयुर्वेद दीर्घ जीवन पाने का विज्ञान है। जबकि योग वह विज्ञान है जिससे व्यक्तिगत चेतना सार्वभौमिक चेतना से मिलती है। आयुर्वेद इस ब्रह्मांड में तीन कारकों को आधार मानता है सूर्य, चंद्र और वायु। सूर्य अग्नि का व चंद्र ठंडक का प्रतीक है, जो दो तत्त्वों से बनता है, पृथ्वी व जल। वायु गतिशीलता का प्रतीक है, जो दो तत्त्वों से बनती है वायु और आकाश। इनसे तीनों दोषों का निर्माण होता है, जिन्हें वात, पित्त व कफ कहते हैं।

करने का तरीका

1. **सुखासन** की मुद्रा में बैठ जाएं।
2. **जिह्वा** को पीछे की ओर मोड़ें। इस प्रकार की उसके अग्र भाग का स्पर्श ऊपरी तालु से हो।
3. **अब** गले में स्वर भंग को संकुचित करते हुए श्वसन करें। श्वास क्रिया गहरी व धीमी हो और एक सेकंड रोककर श्वास छोड़ें।
4. **ऐसा** पांच बार करें।

ये हैं लाभ

- **यह** त्रिदोष नाशक है।
- **इससे** फेफड़ों के कुछ भाग अधिक फैल जाते हैं, जिससे रक्त में ऑक्सीजन ज्यादा पहुंचती है।
- **यह** कब्ज और उदर रोग के विकार दूर करता है।
- **यह** जठराग्नि बढ़ाता है।

इसलिए बड़े रोग होते

व्यक्ति को योग अपनी प्रकृति के अनुसार (वात, पित्त और कफ) करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार संसार की सारी बीमारी इन दोषों के कम या ज्यादा होने से होती हैं। पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति में ये तीनों दोष सम अवस्था में होते हैं। बड़ी बीमारियां जैसे कैंसर, तीनों दोषों की एक साथ विषमता से होती है। योग में कई आसन त्रिदोष की विषमता को दूर कर सकते हैं। उनमें से एक है उज्जायी प्राणायाम। इसे करने पर गले से ऊंची ध्वनि निकलती है।

स्पंदन

गुलाब कोठारी

लेखक पत्रिका समूह के प्रधान संपादक हैं

साक्षी-2

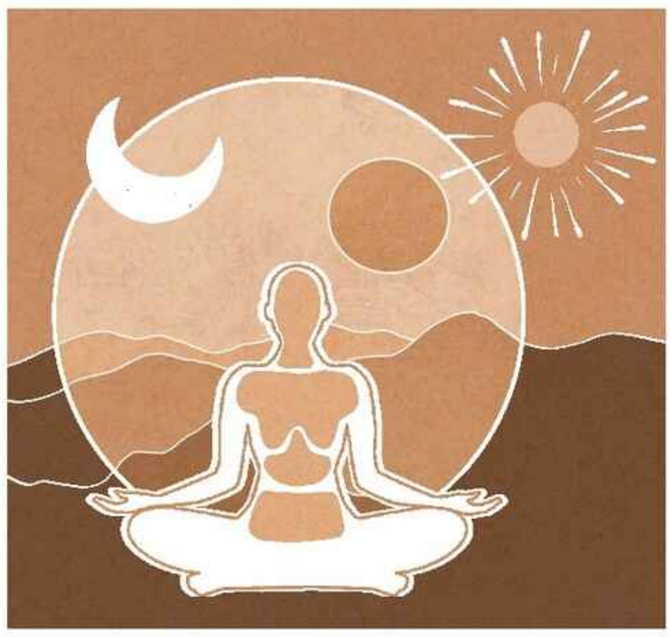

जीवन के अंग हैं ज्ञान, दर्शन और चारित्र। साथ ही आत्मा को हम सत्-चित्-आनन्द कहते हैं। आनन्द के बिना सृष्टि नहीं होती। 'आ' का अर्थ है चहुंओर तथा नन्द का अर्थ है प्रसार। जब आत्मा अपने केन्द्र में रहते हुए चारों ओर फैलता है, तथा साथ ही अपने केन्द्र से च्युत भी नहीं होता, तो आनन्द में प्रतिष्ठित रहता है। दीपक की लौ एक स्थान पर रहती है और प्रकाश चारों ओर फैलता है। चारों ओर जो आनन्द रूप प्रकाश है, वही चेतना कहलाता है। ज्ञान भी उसी को कहते हैं। ज्ञान ही इच्छा का जनक है। इस ज्ञान से ही मन में इच्छा पैदा होती है। इच्छा से ही प्राण गतिमान होते हैं, क्रिया प्रारम्भ होती है और कर्म हो जाता है। ज्ञान जब सृष्टि की ओर बढ़ता है तो विज्ञान कहलाता है। आनन्द और विज्ञान ही मन में उठने वाली इच्छाओं के मूल में होते हैं।

मन सारे क्रियाकलापों का केन्द्र है। जीवन का भी केन्द्र है। इसमें उठने वाली इच्छाएं ही जीवन को चलाती हैं। इन इच्छाओं के पैदा होने का कारण एक तो प्रारब्ध है। पूर्व कर्मों के फल भोगने, एक-दूसरे का उधार चुकाने के लिए भी प्रकृति मन में इच्छा पैदा करती है। मन से जुड़ी ज्ञानेन्द्रियां (आंख, कान, नाक आदि) भी विषयों को मन तक पहुंचाती हैं। इन विषयों के प्रति मन में प्रतिक्रियाएं पैदा होती हैं। राग-द्वेष, लोभ, मोह, ईर्ष्या जैसे भाव पैदा होते हैं और मन पर दबाव डालते हैं। हर भाव का अपना स्वरूप होता है। वैसा ही स्वरूप मन का हो जाता है। व्यक्तित्व में प्रवेश कर जाता है।

मन इच्छा के साथ पैदा होता है। इच्छापूर्ति के लिए क्रिया शुरू होते ही मन प्राण रूप बन जाता है। प्रत्येक नई इच्छा के लिए नया मन पैदा होता है। इच्छा के साथ ही मर जाता है, किन्तु विषय के बारे में एक छाप व्यक्तित्व पर छोड़ जाता है। यह छाप ही संस्कार रूप लेता है। भविष्य में जब भी वही विषय मन के दायरे में आता है, संस्कार प्रकट हो जाते हैं। संस्कार स्मृति का अंग रहते हैं। इनमें वर्तमान संस्कारों के साथ पूर्व कर्मों के संस्कार भी जुड़े रहते हैं। जीवन के सर्कस में संस्कार ही रिंग मास्टर का कार्य करते हैं। हमारे कार्यों को दिशा देते हैं।

जीवन का लक्ष्य पुरुषार्थ है। धर्म के मार्ग पर चलते हुए अर्थ, काम के पार मोक्ष तक पहुंच जाना। अर्थ के प्रपंचों से बाहर निकल जाना। कामना के दायरे से ऊपर उठ जाना। प्रत्याहार और अपरिग्रह को जीवन का अंग बना लेना। अनावश्यक का त्याग कर देना अथवा दूर रहना व्यक्ति को अनेक प्रकार के कष्टों से बचा लेता है। एकमात्र अनावश्यक बोलकर हम दिनभर में कितने विवादों को न्योता दे देते हैं। इसी प्रकार अनावश्यक खाने के परिणाम भी हर कोई कभी न कभी भोग ही लेता है।

अनावश्यक चिन्तन भी एक तरह का विषैला संसार खड़ा कर देता है। राई का पहाड़ बना देता है। इसमें भी जब राग-द्वेष और अहंकार की छाया पड़ जाती है, तब तो पूरे जीवन का स्वरूप ही बदल जाता है। व्यक्ति स्वयं को एक तरह के फ्रेम में बांध लेता है। अपनी मर्जी से, अपनी स्वतन्त्रता के नाम से। एक रंगीन चश्मा पहन लेता है। जीवन में गतिविधियों को उसी रंग में रंगकर देखता है। तब यथार्थ से व्यक्ति का परिचय कैसे सम्भव है! वह स्वयं को भी उसी रंग से आवरित देखेगा।

हर कार्य के पीछे एक कारण भी होता है। कार्य स्थूल रूप में दिखाई पड़ता है, किन्तु कारण सूक्ष्म अथवा अदृश्य होता है। वास्तव में चश्मा तो सूक्ष्म दृष्टि पर चढ़ता है। मन के विचारों पर चढ़ता है। मन ही इन्द्रियों का संचालन करता है। मन के विचार ही व्यक्ति का स्वभाव बन जाता है। रस-रूप-गंध आदि को भी प्रभावित कर देता है। प्रत्येक विषय के प्रति एक दृष्टि पैदा हो जाती है। विषय से लगाव या दुराव हो जाता है। जीवन में अच्छा-बुरा, सुख-दुःख जैसे अस्तित्वहीन तत्त्व प्रवेश कर जाते हैं। ये दृष्टियां भी चश्मे पर रंग का कार्य करती हैं। जीवन इन्द्र धनुषी रंगों का जाल बनकर रह जाता है। चकाचौंध-सी पैदा हो जाती है चारों ओर तथा व्यक्ति इसमें खो जाता है। चकाचौंध मन में कामना को निरन्तर प्रेरित करती रहती है। हर रंगीन चीज अच्छी लगने लगती है। चश्मा हटते ही रंगहीन संसार व्यक्ति को बेचैन कर देता है। यही कारण है कि हर व्यक्ति स्मृतियों और कल्पनाओं में डूब जाना पसन्द करता है। ऐसा वातावरण यथार्थ जीवन में नहीं मिलता। व्यक्ति विषयों से चिपक जाता है। शास्त्र स्वीकारते हैं कि असुर देवताओं से अधिक बलवान होते हैं। नकारात्मक विचार भी एक तरह का नशा ही होते हैं। व्यक्ति को जकड़कर रखते हैं। असुरों की तरह अच्छे कार्यों में बाधा डालते हैं। मंथरा की तरह कैकेयी को भी सही दिशा में सोचने से रोकते हैं।

व्यक्ति भीतर तो अकेला ही जीता है। बाहर घर-परिवार-संसार होते हैं। वह भीड़ का अंग बनकर बाहर जीता है। प्रत्येक इन्द्रिय के माध्यम से सैकड़ों विषयों से जुड़ता ही नहीं, चिपक जाता है। विषय बाहर से चलकर उसके भीतर समा जाते हैं। हर विषय में अच्छा-बुरा जुड़ता है। ममकार और अहंकार जुड़ता है। इसका परिणाम यह होता है कि विषय व्यक्ति को सदा घेरे ही रहते हैं। उन विषयों तथा चिन्तन के अनुरूप ही वातावरण तैयार होता चला जाता है। अर्थ और काम का संसार भी इसी घेरे में आकर ठहर जाता है।

नकारात्मक भाव का आकर्षण मन में इच्छाओं को पैदा करता रहता है। व्यक्ति एक पल के लिए भी कामना शून्य नहीं हो पाता। उसके दर्शन और ज्ञान के लिए, देखने और जानने के लिए समय ही नहीं रहता। जीवन में स्वयं को देखने और जानने का विचार तक नहीं आता।

जिस प्रकार हर ध्वनि की प्रतिध्वनि भी होती है जो ध्वनि से भी लम्बी होती है। उसी प्रकार प्रत्येक क्रिया की प्रतिक्रिया भी होती है तथा क्रिया से बड़ी होती है। बस, व्यक्ति इन प्रतिक्रियाओं में उलझा रहता है। इन प्रतिक्रियाओं का भी आकलन किया जाए तो अधिकांशतः अपेक्षा भाव पर ही आधारित होती हैं। अपेक्षा का जनक अहंकार होता है। इससे हर व्यक्ति, वस्तु या घटना को व्यक्ति अपने ही परिप्रेक्ष्य में देखता है। जीवन का सारा चिन्तन एक पक्षीय होकर रह जाता है।

जीवन में हर व्यक्ति शान्ति ढूंढ़ता है। ईश्वर भीतर बैठा है आत्मा में। वहां वह साक्षी बन रहा है जीवन का। स्वयं करता कुछ भी नहीं। जीवन का लक्ष्य यदि मोक्ष है तब उसका भी अर्थ है साक्षी हो जाना। भीतर बैठा रहे, बाहर देखता रहे। विषय से दूरी बनाए रखे। तब वह ईश्वर ही हो जाता है। ईश्वर ही साक्षी है। आज मैंने टीवी पर समाचार देखा कि एक छात्रा के साथ बलात्कार हुआ। लड़के को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब सारे दिन मेरे दिमाग में वही घटना चल रही है। मैंने न तो घटना को देखा है, और न ही मैं छात्रा को जानता हूं। न ही मेरे चिन्तन में पुलिस और जेल है। घटना पर मेरी वासना हावी होकर मुझे जोड़ देती है। मैं सिनेमा-टीवी पर इस तरह के घटना-क्रम भी देखता रहा हूं और स्वयं को भी उस फ्रेम में रखकर देखता रहा हूं। अतः साक्षी होना तो दूर, मैंने उस घटना को अपने व्यक्तित्व से जोड़ लिया। रास्ते चलते जीवन में एक नया कांटा बो लिया। यह मेरी स्मृति में बना ही रहेगा। प्रश्न यह है कि चिन्तन के इस घेरे से कैसे बाहर निकलूं!

अकेलेपन की अवधारणा को जगाना होगा। जीवन की नश्वरता का भाव ओझल नहीं हो। किसी भी विषय को ग्रहण करने से पहले जीवन से जोड़कर उसकी सार्थकता को समझना जरूरी है। जीवन के लक्ष्य के साथ ही सार्थकता का प्रश्न जुड़ा है। जीवन में उस विषय की भूमिका भी है या नहीं है। लक्ष्य के प्रति संकल्प ही भूमिका को तय कर पाएगा। मुझे नौकरी प्यारी है, सत्ता प्यारी है और उसके लिए यौन शोषण भी स्वीकार्य है, तो वैश्यावृत्ति आपके सपनों से अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं है। आपका संकल्प तो कॅरियर है। तब साक्षी भाव कैसा? साक्षी भाव की शुरुआत संकल्प की प्रतिबद्धता से होती है। यह संघर्ष और तपस्या का मार्ग है। सुख नहीं है इस रास्ते पर। सुख कौन-सा उम्रभर ठहर पाता है। अतः जो कर्म मुझे मंजिल की ओर आगे न बढ़ाए, मुझे ऐसा कर्म नहीं करना। ऐसा कुछ न बोलना, देखना या सुनना। अनावश्यक को छूना भी नहीं। यही त्याग की परिभाषा है। इसी में से साक्षी भाव निकलता है। व्यक्ति हर सम्बन्ध की सार्थकता भी परख लेता है। पूर्व कर्म का प्रभाव भी इन सम्बन्धों में दिखाई देने लग जाता है। भीतर का अकेलापन पूर्ण रूप से स्पष्ट हो जाता है। व्यक्ति अब समष्टि भाव में जीने की सोचने लगता है। अब तक खुद के लिए जिया, कुछ परिणाम नहीं निकला।

प्रातः उठकर सूर्य को देखा। अपने लिए कहां तपता है। कौन पेड़ अपने लिए फल खाता है! पूरी प्रकृति साक्षी भाव में हमारे लिए कार्य करती है। हम भी अपने लिए ही कार्य करते हैं। हमारी समझ छोटी है। जैसे ही हम दूसरों के लिए जीने लगेंगे, साक्षी भाव में प्रवेश कर जाएंगे। सुख शरीर का विषय नहीं रहेगा। वह स्थायी नहीं है। अब तो सुख गुठली बनकर गड़ जाने में ही है। वरना गुठली का पेड़ बनने का, एकोहं बहुस्याम् का, सपना पूरा ही नहीं होगा। फ्रिज में पड़े-पड़े सुरक्षित भाव का कब अन्त हो जाएगा पता ही नहीं चलेगा। समाज मेरे फल खाए, खुश हो और मैं साक्षी बनूं। वही मेरा मोक्ष होगा।

(समाप्त)

gulabkothari@epatrika.com

प्रातः उठकर सूर्य को देखा। अपने लिए कहां तपता है। कौन पेड़ अपने लिए फल खाता है! पूरी प्रकृति साक्षी भाव में हमारे लिए कार्य करती है।

सामाजिक संस्कारों से जुड़ा यह स्तंभ नई पीढ़ी को भी पढ़ाएं।

पुस्तक चर्चा

BOOK REVIEW

प्रेम मनुष्य के जीवन को बदल सकता है

लेखिका की यह समझ उपन्यास को बांधे रखती है कि प्रेम मनुष्य के जीवन को बदल सकता है। ताकत तो देता ही है।

चौबीस छत्तीस जीरो वन (उपन्यास)

लेखक इरा टाक

युवा लेखिका इरा टाक का नया उपन्यास 'चौबीस छत्तीस जीरो वन' कई दृष्टियों से हिंदी की समकालीन रचनाशीलता से अलग प्रतीत होता है। पहला तो नाम ही अलग है कि जगह के पिनकोड यानी संख्याओं को लोकप्रचलित उच्चारण से लिया गया है। उपन्यास शहर बदायूं का शहरनामा भी है। इरा ने बचपन के शहर को जिस तरह कथानक में पात्र की तरह इस्तेमाल किया है, यह कम लेखक करते हैं। छूटे हुए शहरों या गांवों से हम लगभग छूट ही जाते हैं, दूर रहकर भी ऐसा जीवंत सम्पर्क इरा रख पा रही हैं तो यह उनकी संवेदनापरक दृष्टि है।

वैसे तो प्रेमपरक रचनाएं हर तरह के पाठकों को मोहित कर लेती हैं। इस उपन्यास में समझ और संवेदना का प्रभावी मिश्रण है। उपन्यास के प्रमुख पात्र हुसैन और शाहिद मियां कभी-कभी बेवकूफियां कर देते हैं,जो प्रेमियों के जीवन में हो जाती हैं, लेकिन लेखिका और बेगम गजाला नियंत्रण बनाए रखती हैं। प्रौढ़ वय के शाहिद मियां जीवन भर गजाला बेगम के इस प्रेम के बंदी बने रहते हैं। यह जानते हुए भी कि बेगम साहिबा उन्हें मिलने वाली नहीं। हुसैन भी पुलिस की नौकरी करने लगता है और अपनी पूर्व प्रेमिका, जो तलाकशुदा हो चुकी है, से विवाह कर लेता है।

उपन्यास की कथा और पात्रों का गुम्फन पाठकों को बांधे रखता है। रजिया सुल्तान से जेएनयू तक, शारीरिक मौज मस्ती से गंभीर संबंध भावना तक सब इसमें है। लेखिका की यह समझ उपन्यास को बांधे रखती है कि प्रेम मनुष्य के जीवन को बदल सकता है। ताकत तो देता ही है।

- प्रो रामबक्ष जाट

तुम उन हादसों के लिए डर रहे हो, जो अभी तुम्हारे जीवन में घटे ही नहीं। क्या लगता है तुम्हें? आखिर क्या बुरा हो सकता है तुम्हारे साथ?

सपना

उमा

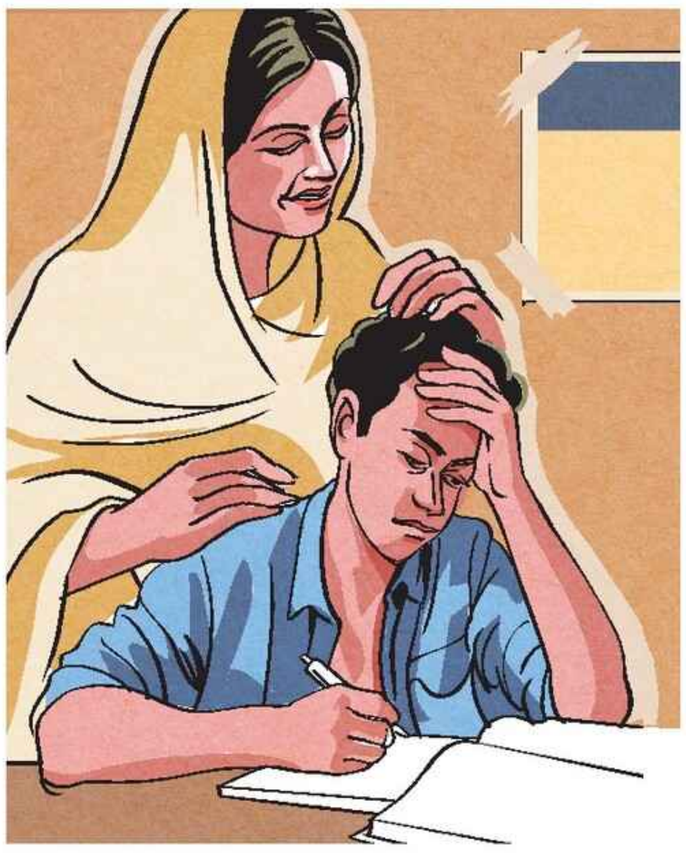

पूरी कक्षा में सबसे ज्यादा नंबर आए हैं, यह जानकर कौन उदास होता है!! वो होता है, वो जिसे शायद आप भी जानते हों!! कभी तो... कहीं तो देखा होगा उसे। सब कुछ तो था उसके पास, अच्छा घर, प्यारा परिवार, अच्छा दिमाग, अच्छे नंबर भी... पर न जाने क्यों उदासी की बदली छंटती ही नहीं थी। 'कोई लड़की-वड़की का चक्कर तो नहीं? इस उम्र में अक्सर ऐसा होता है।' जवां लड़के के माता-पिता अक्सर आपस में फुसफुसाते और फिर शुरू हो जाती दोस्त बन जाने की कवायद।

'अरे बाबा! ऐसा कुछ नहीं है। कुछ होगा तो बता दूंगा आपको। जानता हूं आप दोनों कूल मॉम-डैड हो।' लड़का मुस्कुरा कर कहता, पर मुस्कान जैसे गर्म तवे पर छींटा।

'नशे-वशे की लत तो नहीं पड़ गई लाडले को?' माता-पिता एक-दूसरे को सवालिया नजर से देखते और बेटे के जाते ही अक्सर उसके कमरे की तलाशी लेते, पर हाथ कुछ न लगता। उसके साथ कभी कोई दुर्गंध भीतर नहीं आई, उसकी आंखों में लाल डोरे तैरते नहीं दिखे कभी, फिर कहां डूब रहा है वो!!

माता-पिता परेशान रहते और उसके लिए नियम कायदों में ढील देने की सोचते, ताकि वह जिंदगी का थोड़ा लुत्फ उठा सके, लेकिन वह तो खुद को ही खींचना चाहता कायदों की तरफ। वह कहता, 'मैं पतंग की तरह खुद को ऊंचाई पर देखना चाहता हूं।'

'पतंग की किस्मत में तो कटना होता है, कहीं...।' पिता ने कहा और उसे एकटक देखने लगे।

'यूपीएससी क्लियर न हुआ तो बैंकिंग में जाऊंगा, वो भी न हुआ तो प्लान-सी भी है मेरे पास। और पतंग कट भी गई तो आप हैं ना लूटने के लिए।' वह हंस देता, पिता भी हंस देते। वह हैरान हो जाता, पिता भी, आखिर दोनों ही यह कहां समझ पा रहे थे कि आखिर दिक्कत कहां है!!

'क्या बचपन में कोई ऐसी हरकत...!!' काउंसलर ने बड़े प्यार से पूछा।

'नहीं...नहीं, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ मेरे साथ कभी भी।'

'किसी अपने को खो दिया या...?'

'मुझे ऐसा लगता है कि मैंने खुद को खो दिया। कुछ बुरा हुआ है जैसे, पर सच में ऐसा कुछ भी नहीं है। मुझे किसी बात का स्ट्रेस नहीं। सब कुछ मांगने से पहले मिल जाता है, कोई दबाव नहीं है...पर पता नहीं क्यों ऐसा लगता है कि...।'

'तुम उन हादसों के लिए डर रहे हो, जो अभी तुम्हारे जीवन में घटे ही नहीं। क्या लगता है तुम्हें? आखिर क्या बुरा हो सकता है तुम्हारे साथ?'

'कुछ बहुत बुरा... जैसे...। आप बताओ आखिर सबसे बुरा क्या होता है?'

'सबसे बुरा! पाश ने कहा था, सबसे बुरा होता है हमारे सपनों का मर जाना...।'

काउंसलिंग सेशन से निकलकर घर तक पहुंचने की दूरी उसने इसी पंक्ति को दोहराते हुए पार की, सबसे बुरा होता है हमारे सपनों का मर जाना।

'सपना, आखिर क्या है मेरा सपना, जिसके मरने की मुझे फिक्र है।' वह सोचता रहा, खाना खाते हुए, खेलते हुए, पढ़ते हुए, सोते हुए, उसने मोबाइल भी उठाकर नहीं देखा, किसी से बात नहीं की, कुछ स्क्रॉल नहीं किया, बस जेहन में विचार ही आते रहे-जाते रहे। न जाने कब इस बीच आंख लग गई।

'अरे अब तक नहीं उठा? अलार्म नहीं भरा था क्या? जल्दी करो बेटा।' सिर पर हाथ फेरते हुए मां ने कहा।

'थोड़ी देर सोने दो...सपना तो पूरा होने दो...।'

'सपना! उसने मन ही मन दोहराया और एकदम से उठ बैठा। उसकी नजर टेबल पर रखे मोबाइल पर गई। रात को वह मोबाइल को सिरहाने रखना भूल गया था... शायद इसलिए सपना चला आया।

काव्यांजलि

POEM

बीड़ा उठा

राजेंद्र 'हंस'

प्रचंड सूर्य तेज है,
जीवन भी निस्तेज है,
धधक रही है अब धरा,
चिंतन से क्यूं गुरेज है..

ताप क्यों बढ़ा है सोच,
जगत प्रलय की राह सोच,
कपाट खोल बुद्धि के,
पकड़ ले कान और नोच..

छोड़ अर्थ दौड़ को,
मौत के हर मोड़ को..
तू जिंदगी की राह ले,
पर्यावरण को साध ले...

ना देख आसमान को,
भभक रहे वितान को,
वायु में घुली आग देख,
भूमि पर हरे बाग देख...

मानवता का संकल्प ले,
जीवन का मत विकल्प ले,
तू स्वार्थ सारा त्याग दे,
संसार को तू जाग दे...

लगा दे पेड़ घर गली,
सोच खुद की कर बड़ी,
दुनिया बचेगी पेड़ से,
प्रकृति की थपेड़ से.. .

खम ठोक ठेल रे मनुज,
पृथ्वी की सेवा कर अनुज,
हरियाली का संकल्प ले,
लगा के पेड़ कल्प ले...

अब पेड़ से बचेंगे प्राण,
लक्ष्य पर तू तान बाण,
बीड़ा उठा हरियाली का,
प्रकृति का संताप त्राण...

सीख

SHORT STORIES

हस्ताक्षर

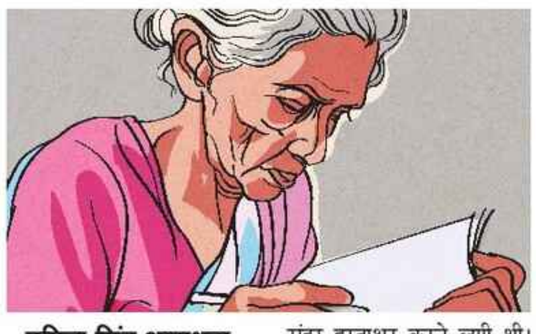

नमिता सिंह आराधना

बेटा, अनपढ़ मां को बहुत लगन से हस्ताक्षर करना सिखा रहा था। बेटे का प्रेम देख मां अभिभूत थी।

मां भी उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर करना सीखने लगी थी। अब मां सुंदर हस्ताक्षर करने लगी थी। बेटा कागज पर कागज बढ़ाता गया। मां उन पर हस्ताक्षर करती गई। जैसे-जैसे हस्ताक्षर करती गई, उनकी जमीन, मकान, बैंक बैलेंस सब हाथ से निकलते चले गए। हिस्से में आया वृद्धाश्रम का एक कमरा। अब मां हस्ताक्षर करना भूल गई है।

भ्रान्त रूढ़ियां और वास्तविक तथ्य

पौराणिक नाम भी बदले-बदले सुनाई देते हैं

पौराणिक नामों के उच्चारण में अशुद्धियां होने के कारण कुछ नाम गलत बोले और लिखे जाने लगे हैं। गंगा को लाने वाले भगीरथ को भागीरथ कहा जाने लगा है।

देवर्षि कलानाथ शास्त्री

बोलचाल और चलन के कारण कई बार कुछ स्थानों और व्यक्तियों के नाम किस प्रकार पलट जाते हैं यह आश्चर्य का विषय है। उत्तराखंड में हरिद्वार के पास गंगातट का एक पवित्र स्थान है हृषीकेश जिस पर अनेक आश्रम बने हुए हैं। गीता प्रेस का प्रसिद्ध संस्थान भी यहां है। हृषीकेश भगवान कृष्ण का नाम भी है। वर्षों से यह तीर्थस्थान इसी नाम से चलन में रहता था किन्तु न जाने कब इसे ऋषिकेश बोला जाने लगा। आजकल यह सर्वत्र ऋषिकेश ही कहा जाता है। इसका शुद्ध रूप हृषीकेश है यह बताने वाले पर कम ही लोग विश्वास कर पाएंगे। ऋषियों के केश से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। हमने अधिकृत स्रोतों से तलाश की तो उन्होंने यह समाधान दिया कि वास्तविक नाम तो हृषीकेश ही है। उसका तद्भव रूप ऋषिकेश हो गया है।

इसी प्रकार का एक नाम है अहल्या जो रामकथा में भी आती है। गौतम ऋषि की पत्नी अहल्या शापवश जड़ रूप की शिला हो गई थीं, जो भगवान राम के चरण के स्पर्श से पुनर्जीवित हो गईं, यह कथा प्रसिद्ध है। यह नाम अहल्या था जिसका अर्थ भी होता है वह भूमि जिस पर खेती न हो सके, हल न चल सके। हल शब्द से अहल्या शब्द बना है पर न जाने कब इसे अहिल्या कह दिया गया। हल कब हिल बन गया यह पता नहीं पर वर्षों से अहिल्या नाम चलने लगा है। यद्यपि अहल्या शब्द लुप्त नहीं हुआ, प्राचीन ग्रंथों में यही नाम पाया जाता है।

पौराणिक नामों के उच्चारण में अशुद्धियां होने के कारण भी कुछ नाम गलत बोले और लिखे जाने लगे हैं। गंगा को लाने वाले महाराज भगीरथ को भागीरथ कहा जाने लगा है। भगीरथ का पुत्र या गुण प्रत्यय लगा देने पर भागीरथ अवश्य कहला सकता है पर मूल नाम तो भगीरथ ही है। जी तोड़ मेहनत को भगीरथ प्रयत्न प्रत्यय लगाकर ही करते हैं। पर आजकल भागीरथ शब्द अधिक चल पड़ा है। उसी प्रकार जैसे प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यपु को लोग हिरण्यकश्यप कहने लगे हैं। वे समझते हैं कि कश्यप नाम परिचित हैं कश्यपु कब होता है? वास्तविक नाम हिरण्यकश्यपु है।

आर्यभट है, आर्यभट्ट नहीं

इसी प्रकार एक भारतीय वैज्ञानिक महापुरुष का नाम भी बदल गया है। ज्योतिष विद्या के महान स्तम्भ खगोलविद् आर्यभट भारत के गौरव हैं, उसी प्रकार जैसे वराहमिहिर। प्राचीन भारत के विज्ञानवेत्ता और खगोलशास्त्र के ग्रन्थों के रचयिता आर्यभट (476-550) भारतीय खगोल विज्ञान के सूत्रधार के रूप में हमारे गौरव हैं। इसीलिए 19 अप्रेल 1975 को अंतरिक्षयान के द्वारा जो उपग्रह भारत ने अंतरिक्ष में भेजा था उसे आर्यभट नाम दिया गया था, किंतु बाद में इसे बाणभट्ट, भोजनभट्ट आदि की तरह आर्यभट के बजाय आर्यभट्ट कहा जाने लगा जो पूर्णतः गलत है। आर्यभट ने जो ग्रंथ लिखा उसे उन्होंने स्वयम् आर्यभटीय नाम दिया है। चलन के कारण यह नाम गलत होता गया और आर्यभट्ट नाम फैल गया। यद्यपि भारत ने जब अंतरिक्षयान छोड़ा था, उसे सही नाम आर्यभट ही दिया था।

हिमालय में स्थित तीर्थस्थलों में प्रमुख हैं गंगोत्री और यमुनोत्री। इनके ये नाम कैसे पड़े यह जानने के लिए हमने प्रयास किया तो ज्ञात हुआ कि गङ्गावतरण की कथा पुराणों में प्रसिद्ध है कि किस प्रकार गङ्गा स्वर्ग से शिवजी की जटाओं से होती हुई पृथ्वी पर अवतीर्ण हुईं। यह गङ्गावतरण विश्व में सुविदित है। इसी की अनुकृति से यमुनावतरण शब्द भी बन गया। गङ्गावतरण का स्थल गङ्गावतरी कहा जाने लगा, यमुनावतरण का स्थल यमुनावतरी। चलन में आते आते यह गङ्गोतरी यमुनोतरी नाम से पुकारे गए और धीरे-धीरे गंगोत्री यमुनोत्री बन गए। कुछ ने इनका संस्कार करने का प्रयास करते हुए इन्हें गंगोत्तरी और यमुनोत्तरी कह दिया। गङ्गोत्तरी शब्द में कोई सार्थकता नहीं है, मूलतः गङ्गावतरण शब्द से बना है यह शब्द।

अपनी रचना भेजिए: *अपनी मौलिक और अप्रकाशित कहानी, कविता और लघुकथाएं हमें इस मेल एड्रेस पर भेजिए-sunday@in.patrika.com ध्यान रखें कहानी-1000 और लघुकथा-250 शब्दों से अधिक नहीं हो।*

टी-20 विश्व कप: नेपाल के हारने से बांग्लादेश की टीम ने सुपर-8 में बनाई जगह, दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही अगले दौर में पहुंच चुकी है

द. अफ्रीका के खिलाफ आखिरी गेंद तक चला मैच, एक रन से हारा नेपाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

किंग्सटन. पहली बार आइसीसी टी-20 विश्व कप में खेल रही नेपाल की टीम शनिवार को इतिहास रचने से चूक गई। ग्रुप-डी के मुकाबले में नेपाल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ एक रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार से नेपाल की सुपर-8 में जगह बनाने की उम्मीद भी खत्म हो गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम सात विकेट पर 115 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने सात विकेट पर 114 रन बनाए।

द. अफ्रीका से मैच हारने के बाद निराश नेपाल के बल्लेबाज।

प्लेयर ऑफ द मैच

तबरेज शम्सी ने चार विकेट झटके: द. अफ्रीका की जीत के हीरो स्पिनर तबरेज शम्सी रहे, जो इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलने उतरे थे। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट चटकाए।

तबरेज शम्सी

आखिरी ओवर में 8 रन नहीं बने

नेपाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे और क्रीज पर गुलशन झा और सोमपाल कामी थे। तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन ने पांच गेंदों पर छह रन बनाए। आखिरी गेंद पर दो रन की दरकार थी लेकिन गुलशन शॉट नहीं लगा सके और रन आउट हो गए।

शीर्ष दो टीमों की तस्वीर साफ हुई

नेपाल ने अब तक तीन मैच खेले हैं और दो हारे जबकि एक बेनतीजा रहा। इस ग्रुप से दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले ही सुपर-आठ में पहुंच चुकी है जबकि बांग्लादेश तीन मैचों में चार अंकों संग दूसरे स्थान पर है। यदि नेपाल की टीम दक्षिण अफ्रीका को हरा देती तो उसके भी तीन मैचों में तीन अंक हो जाते। ऐसे में नेपाल और बांग्लादेश के बीच होने वाले मैच से सुपर-आठ में पहुंचने वाली टीम का फैसला होता लेकिन नेपाल की हार से बांग्लादेश ने अगले दौर में जगह बना ली है। नेपाल यदि बांग्लादेश को हरा भी देगा तो उसके तीन ही अंक रहेंगे।

ग्रुप-सी मैच : दोनों टीमें सुपर-8 की होड़ से बाहर हैं

युगांडा को हराकर न्यूजीलैंड ने पहली जीत दर्ज की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तारौबा. न्यूजीलैंड ने टी-20 विश्व कप में शनिवार को युगांडा के खिलाफ 88 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड ने युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर ढेर कर दिया। जवाब में कीवी टीम ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाकर मैच जीत लिया। हालांकि दोनों ही टीमें सुपर-8 की होड़ से बाहर हो चुकी हैं। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों में पहली जीत हासिल की है।

टिम साउदी

प्लेयर ऑफ द मैच: न्यूजीलैंड के मीडियम पेसर टिम साउदी ने चार ओवर में सिर्फ चार रन देकर तीन विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

टेनिस : स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को हराया

सुमित नागल पेरूगिया चैलेंजर के फाइनल में

टूर्नामेंट के दौरान भारतीय एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरूगिया, इटली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार रात खेले गए सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले जा रहे पेरूगिया चलैंजर टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया।

छठीं वरीय भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को तीन सेटो तक चले कड़े मुकाबले में 7-6, 1-6, 6-2 से हरा दिया। इस मैच में नागल का प्रदर्शन शुरुआत से ही दमदार रहा।

आसान नहीं होगा खिताबी मुकाबला

फाइनल में पहुंचने वाले सुमित नागल के लिए हालांकि खिताब जीतना आसान नहीं होगा। अब फाइनल में उनका सामना टॉप सीड इटालियन खिलाड़ी लुसियानो द्रादरी और चौथी वरीय खिलाड़ी स्पेन के डेनिएल आल्टमेयर के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। लेकिन दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी नागल भी चुनौती देने को तैयार हैं।

राडुकानु-बोल्टर में भिड़ंत

नॉटिंघम. ब्रिटेन की दो शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों एम्मा राडुकानु और कैटी बोल्टर के बीच यहां नॉटिंघम ओपन का सेमीफाइनल खेला जाएगा। राडुकानु को हमवतन फ्रांसेस्का जोंस के खिलाफ वॉकओवर मिला। वहीं, बोल्टर ने पोलैंड की माघडालेना फ्रीच को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी।

आइसीसी टी-20 विश्व कप मैच : भारत और कनाडा के बीच ग्रुप-ए के मैच में टॉस भी नहीं हो सका

बारिश के कारण लगातार दूसरा मैच भी रद्द, भारतीय टीम अब सुपर-8 मुकाबले में उतरेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लाउडरहिल. भारत और कनाडा के बीच शनिवार को खेला गया आइसीसी टी-20 विश्व कप का ग्रुप-ए मुकाबला बारिश के कारण बिना कोई गेंद फेंके रद्द हो गया। लाउडरहिल में यह लगातार दूसरा मुकाबला है, जो बारिश के कारण रद्द हुआ है। शुक्रवार को पाकिस्तान और मेजबान अमरीका के बीच खेला गया ग्रुप-ए का मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ गया था।

हालांकि भारतीय टीम को इस मैच के बारिश से धुलने का कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वह पहले ही लगातार तीन मैच जीतकर अंतिम आठ में जगह बना चुकी है। अब भारतीय टीम सुपर-आठ में अपना पहला मैच खेलने के लिए 20 जून को अफगनिस्तान के खिलाफ ब्रिजटाउन में उतरेगी। दूसरी तरफ, कनाडा की टीम का सफर भी खत्म हो गया। कनाडा ने कुल चार मुकाबले खेले। इसमें से एक जीता और दो हारे जबकि एक बेनतीजा रहा।

विश्व कप में कुल चार मैच बारिश की भेंट चढ़े

इस विश्व कप में अब तक कुल चार मैच बारिश की भेंट चढ़ चुके हैं। इसमें से तीन मैच फ्लोरिडा में खेले गए। इसमें भारत-कनाडा व पाकिस्तान और आयरलैंड मुकाबले के अलावा 12 जून को नेपाल और श्रीलंका के बीच खेला गया मैच भी बारिश से धुला। वहीं, 04 जून को ब्रिजटाउन में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड का मैच भी बारिश से धुला था।

आइसीसी पर उठे सवाल : बारिश के कारण मैच रद्द होने से पूर्व दिग्गज और आइसीसी पर अंगुली उठा रहे हैं। उनका मानना है कि अमरीका में ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं था। भारत और कनाडा मैच से करीब सात घंटे पहले बारिश रुक गई थी लेकिन आउटफील्ड सुखाया नहीं जा सका।

शनिवार को भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ (बाएं) हार्दिक पांड्या सहित अन्य खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए।

प्रसारण : रात 8.00 बजे से

आयरलैंड को हराकर जीत से विदाई लेना चाहेगी पाकिस्तान टीम

लाउडरहिल @ पत्रिका. पाकिस्तान की टीम आइसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप-ए में रविवार को अपना आखिरी मुकाबला आयरलैंड के खिलाफ खेलने के लिए उतरेगी। पाक टीम की नजरें इस मैच को जीत कर टूर्नामेंट से विदाई लेने पर होंगी। पाकिस्तान के लिए यह टूर्नामेंट अभी तक बेहद निराशाजनक रहा है और वह सुपर-आठ में जगह नहीं बना सकी है। पाकिस्तान ने अब तक कुल तीन मैच खेले हैं। इसमें से एक जीता और दो हारे हैं। वहीं, आयरलैंड भी सुपर-आठ की होड़ से बाहर है। उसने तीन मैच खेले और दो हारे जबकि एक बेनतीजा रहा है। वहीं, पाकिस्तान आयरलैंड के साथ अब तक कुल चार मैच खेले हैं, जिसमें से तीन जीते और एक हारा है।

आज का पोल

क्या स्कॉटलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दे उलटफेर कर सकती है?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

शनिवार का जवाब

हां 14% नहीं 86%

पिछला सवाल: क्या नामीबिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ उलटफेर करने में सक्षम है?

फुटबॉल: कोपा अमरीका

अर्जेंटीना ने ग्वाटेमाला को 4-1 से दी शिकस्त

मैरीलैंड @ पत्रिका. दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी और लुटारो मार्टिनेज के दो-दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने अपने आखिरी कोपा अमरीका वार्म-अप मुकाबले में ग्वाटेमाला को 4-1 से करारी शिकस्त दी। अर्जेंटीना को चौथे ही मिनट में उस वक्त झटका लगा जब लिसांड्रो मार्टिनेज के आत्मघाती गोल ने ग्वाटेमाला को शुरुआत बढ़त दिला दी। हालांकि 12वें मिनट में मेसी ने गोल दाग स्कोर को अर्जेंटीना को बराबरी पर ला दिया।

आइओसी का फैसला

रूस व बेलारूसी एथलीट होंगे तटस्थ

बर्लिन @ पत्रिका. रूस और बेलारूस के 25 एथलीटों के पहले ग्रुप को अगले महीने से शुरू होने वाले ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा की अनुमति दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने शनिवार को कहा, रूस और बेलारूस के 25 एथलीटों के लिए कुल 41 कोटा स्थानों की मंजूरी दी गई और जो खाली रह गए हैं उन्हें अन्य देशों को वितरित किया जाएगा। 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से आइओसी ने उसके और बेलारूस के एथलीटों को उनके ध्वज तले भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

आज का मैच: यदि स्कॉटिश टीम जीती तो ग्रुप-बी से अंतिम आठ में जगह बना लेगी, प्रसारण : सुबह 6.00 बजे से

ऑस्ट्रेलिया को हरा स्कॉटलैंड के पास इतिहास रचने का मौका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सेंट लूसिया. स्कॉटलैंड की टीम जब आइसीसी टी-20 विश्व कप में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी नजरें जीत हासिल करने और ग्रुप-बी से सुपर-8 में जगह बनाने पर होगी।

हालांकि स्कॉटलैंड की राह आसान नहीं है क्योंकि कंगारू टीम पहले ही लगातार तीन मैच जीतकर अगले दौर में जगह बना चुकी है। वहीं, दोनों टीमों के बीच टी-20 में पहली बार मुकाबला खेला जाएगा। स्कॉटलैंड ने तीन मैचों में दो जीते और एक बेनतीजा रहा है।

मिचेल मार्श, कप्तान ऑस्ट्रेलिया

रिची बेरिंगटन, कप्तान, स्कॉटलैंड।

67 रन इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने तीन मैचों में ठोके, ***35 रन सर्वाधिक स्कोर***

60 रन विश्व कप के तीन मैचों में स्कॉटलैंड के कप्तान ***रिची बेरिंगटन ने कुल बनाए***

स्कॉटलैंड जीता तो इंग्लैंड हो जाएगी बाहर

यदि स्कॉटलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर उलटफेर करने में सफल रही तो मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड की टीम सुपर-8 की होड़ से बाहर हो जाएगी क्योंकि वह चार मैचों में ज्यादा से ज्यादा पांच अंक ही हासिल कर सकती है। दूसरी तरफ, स्कॉटलैंड के अभी पांच अंक हो चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया को हराकर वह टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर सकती है। ऐसे में स्कॉटलैंड की टीम पूरा दमखम दिखाना चाहेगी।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7016...

बाएं से दाएं... 1. यंत्री, इंजीनियर (4), 3. आराधना, पूजा, अर्चना (4), 6. चिकना, चौरस, समतल (3), 7. सुगमता, आसानी (4), 9. कार्य, काज (2), 10. विश्वास, भरोसा (3), 14. बीच में, मध्य में (5), 16. दृष्टि, निगाह (3), 18. लवण (3), 20. मेघ, वारिद (3), 23. पत्नी, भार्या (2), 24. जल, नीर (2), 25. संपन्न व सशक्त होना (4), 27. शरारती, शैतान, ऊधमी (4), 28. आनंद, स्वाद (2)

ऊपर से नीचे... 1. मौका, अवकाश, वक्त, फुरसत (4), 2. कारखाना, औजार गृह (4), 3. युक्ति, तरीका (3), 4. चौड़ाई का विस्तार (2), 5. मूर्ख, नादान (4), 8. चेतावनी, अनुदेश (3), 11. पापात्माओं का निवास स्थान (3), 12. न्यायालय आदि में दिया गया वक्तव्य (3), 13. अतिथि सत्कार (4), 15. गलीचा, ऊनी कालीन (3), 17. दांत (2), 19. गिद्ध (4), 21. अग्नि शिखा, लू का झोंका (3), 22. छल, धोखा, फरेब (3), 24. समीप, करीब (2), 26. नाखून (2)

हल 7015

SUDOKU 6751...

							4	7
				3		5	9	
	6	5	1				8	
	7	9				4		
6			2					3
	5		3			9		
								5
	2		6		8			
	4							

हल 6750

4	2	7	9	8	5	6	1	3
6	9	3	7	2	1	5	8	4
5	8	1	4	6	3	7	2	9
1	6	5	2	3	9	8	4	7
3	4	2	6	7	8	9	5	1
9	7	8	1	5	4	3	6	2
7	5	4	8	9	2	1	3	6
8	1	9	3	4	6	2	7	5
2	3	6	5	1	7	4	9	8

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

फिडे अंडर-20 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप : इस साल लगातार दूसरा टूर्नामेंट जीता

18 वर्षीय दिव्या चैंपियन बनने वाली चौथी भारतीय बनी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर (गुजरात). भारत की उभरती हुई युवा खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिडे अंडर-20 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। इस चैंपियनशिप का आयोजन इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) ने किया था। 18 वर्षीय यह चैंपियनशिप जीतने वाली कुल चौथी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले, कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली और सौम्या स्वामीनाथन यह खिताब जीत चुकी है।

अजेय रहकर दबदबा कायम रखा

दिव्या ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाया और अजेय रहकर खिताब जीता। उन्होंने 11 अंकों में से कुल 10 अंक हासिल किए। फाइनल राउंड में दिव्या ने बुल्गारिया की बेलोस्लावा क्रास्तेवा को शिकस्त दी। अरमेनिया की मरियम 9.5 अंकों के साथ दूसरे और अजरबैजान की अयान अल्लाहवरदियेवा 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

काजीबेक लड़कों के वर्ग में चैंपियन: पुरुष वर्ग में, कजाकिस्तान के 20 वर्षीय काजीबेक नोगेर्बेक ने खिताब जीता। टूर्नामेंट में 44 देशों के 230 खिलाड़ी उतरे थे।

शानदार फॉर्म में : दिव्या ने साल 2024 में अपना लगातार दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने मई में शारजाह चैलेंजर टूर्नामेंट अपने नाम किया था।

चैंपियन बनने के बाद ट्रॉफी के साथ भारत की दिव्या देशमुख।

ओलंपिक क्वालीफायर : कोटा हासिल करने का मौका

भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शीर्ष वरीयता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अंताल्या (तुर्किए)। तरूणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने आखिरी पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर में शनिवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त कर 24 टीमों के साथ एलिमिनेशन राउंड में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने 2018 अंक हासिल किए और चीनी ताइपे (2008) और जर्मनी (1998) से आगे रही। एलिमिनेशन राउंड अंतिम-32 ड्रॉ की तरह खेला जाएगा। भारत के पास कोटा हासिल करने का अच्छा मौका है।

तरूणदीप राय, भारतीय आर्चर।

प्लेयर ऑफ द मैच: शीर्ष पर रहने की वजह से भारत को अंतिम-32 में बाई मिली थी। अब अंतिम-16 में भारत का सामना लक्जमबर्ग से होगा। एलिमिनेशन राउंड में शीर्ष तीन रैंक वाले देशों को पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा पेरिस ओलंपिक कोटा मिलेगा।

यूरो कप फुटबॉल 2024 : मेजबान जर्मन टीम ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त दी

जर्मनी ने रचा इतिहास, आगाज मैच में सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली मेजबान टीम बनीं

फ्लोरियन वर्ट्ज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

म्यूनिख. मेजबान जर्मनी ने यूरो कप 2024 में धमाकेदार आगाज करते हुए ग्रुप-ए मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त दी। यह यूरो कप इतिहास में मेजबान टीम की उद्घाटन मुकाबले में सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा, यह यूरो कप के पहले ही मुकाबले में किसी टीम की सबसे बड़ी जीत भी है। इस मैच में स्कॉटलैंड ने काफी निराश किया और 1992 यूरो कप के बाद पहली बार है, जब वह पूरे मैच में टारगेट पर एक भी शॉट नहीं लगा सका।

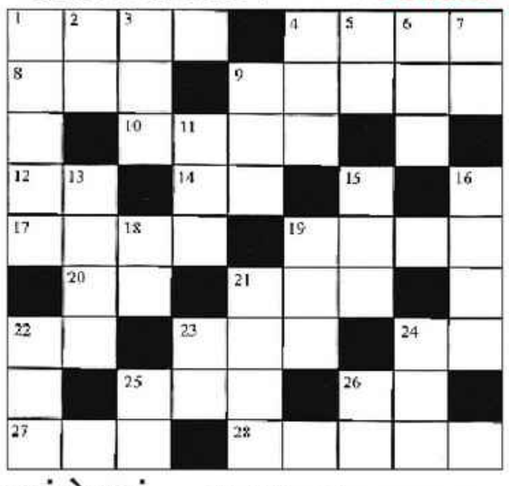

फ्लोरियन सबसे कम उम्र में गोल करने वाले जर्मन खिलाड़ी बने: फ्लोरियन वर्ट्ज यूरो कप में गोल करने वाले जर्मनी के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने 21 साल 42 दिन की उम्र में गोल दागा और केई हावर्ट्ज का रेकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2020 में पुर्तगाल के खिलाफ 22 साल व 8 दिन की उम्र में गोल किया था।

दीवानगी : स्टटगार्ट में बड़ी स्क्रीन पर जर्मन टीम का मैच देखने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए और मैच का लुत्फ उठाया।

ग्रुप-ए: स्विस टीम ने हंगरी को दी शिकस्त

कोलोग्ने (जर्मनी). स्विट्जरलैंड ने यूरो कप में शनिवार को जीत से आगाज करते हुए ग्रुप-ए मुकाबले में हंगरी को 3-1 से शिकस्त दी। स्विस टीम के लिए क्वाइवो ने 12वें मिनट में गोल करके बढ़त दिलाई। मैच के 45वें मिनट में मिचेल ने गोल करके टीम को 2-0 से मजबूत बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में हंगरी ने वापसी करने की कोशिश की और 66वें मिनट में बर्नबास वरगा ने गोल कर दिया। लेकिन इंजुरी टाइम में ब्रील इम्बोलो ने शानदार गोल कर स्विस टीम को जीत दिला दी।

उद्घाटन मैच में सबसे बड़ी जीत

साल	टीम	विपक्षी टीम
2024	जर्मनी 5-1 से जीता	स्कॉटलैंड
2020	इटली 3-0 से जीता	तुर्किए
1976	चेकोस्लोवाकिया 3-1 से जीता	नीदरलैंड्स

इस सप्ताह विशेष

मंगलवार
मोदी का काशी दौरा
वाराणसी जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी। पीएम-किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त करेंगे जारी।

बुधवार
केजरीवाल की जमानत याचिका
अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर होगी सुनवाई, आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन का है मामला।

गुरुवार
प्रयागराज जंक्शन पर ठहरने के लिए 72 स्लीपिंग पॉड खुलेंगे। इनमें महिलाओं के लिए 10 पिंक स्लीपिंग पॉड भी शामिल।

शुक्रवार
शेख हसीना का भारत दौरा
भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना। अगले दिन पीएम मोदी से करेंगी मुलाकात।

शनिवार
देश में नई सरकार बनने के बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक का होगा आयोजन।

मेलोडी: जी-7 में पीएम मोदी का जलवा, मेजबान मेलोनी के साथ सेल्फी और अतिथियों के साथ ग्रुप फोटो की चर्चा

रोम. इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी चर्चा में रही। मेलोनी ने शनिवार को सेल्फी का यह वीडियो एक्स पर शेयर कर लिखा, 'हेलो फ्रॉम द मेलोडी' टीम। पीएम मोदी ने इसका जवाब देते हुए लिखा-भारत-इटली की मित्रता कायम रहे। सम्मेलन के दौरान जी-7 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और आमंत्रित सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ ग्रुप फोटो में पीएम मोदी प्रमुख पॉजिशन में नजर आए। सम्मेलन में पीएम मोदी ने एआइ, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर संबोधन दिया। मध्य-पूर्व, गाजा, यूक्रेन युद्ध के समाधान जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। शनिवार शाम पीएम मोदी भारत लौट आए।

पत्रिका पोल

Q क्या युद्ध टालने के लिए यूक्रेन को रूस की शर्तें मान लेनी चाहिए?

कल का सवाल था
क्या सरकारें शिक्षा माफिया पर नकेल कसने के लिए अनिच्छुक नजर आ रही हैं?

जवाब
80% हां
20% नहीं

स्कैन करें...

साहित्य अकादमी ने की वर्ष 2024 के पुरस्कारों की घोषणा

24 लेखकों को बाल साहित्य पुरस्कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. साहित्य अकादमी ने वर्ष 2024 के लिए शनिवार को बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की। इन पुरस्कारों के लिए विभिन्न भाषाओं के 24 लेखकों का चयन किया गया है। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में कार्यकारी मंडल की बैठक पुरस्कारों का अनुमोदन किया गया। इन लेखकों को एक विशेष समारोह में पुरस्कार स्वरूप एक ताम्रपत्र तथा 50,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

पुरस्कार जीतने वाले लेखक

1 असमिया भाषा के बिपोन्ना बिस्मोई खेल (उपन्यास) : रंजू हजारिका
2 बांग्ला-महिदादुर एनटिडोट (उपन्यास) : दीपन्विता रॉय
3 बोडो-बुहुमा बयनिबो (कविता-संग्रह), भार्जिन जेक'भा मोसाहारी
4 डोगरी-कुक्कडू-कडूं (कविता-संग्रह) बिशन सिंह 'दर्दी'
5 अंग्रेजी-द ब्लू हॉर्स एंड अदर अमेजिंग एनिमलस स्टोरीज फ्रॉम इंडियन हिस्ट्री (कहानी-संग्रह) - नंदिनी सेनगुप्ता
6 गुजराती- हंसती हवेली (कहानी-संग्रह) -गिरा पिनाकीन भट्ट
7 हिंदी- इक्यावन बाल कहानियां (कहानी-संग्रह) - देवेन्द्र कुमार
8 कन्नड़ - छूमंत्राय्यना कथेगळु (कहानी-संग्रह)- कृष्णमूर्ति बिलिगेरे
9 कश्मीरी - सोन्गोब्रेयो (कविता-संग्रह) मुजफ्फर हुसैन दिलबर
10 कोंकणी -एक आशिल्लें बायूल (उपन्यास) - हर्षा सद्गुरू शेटये
11 मैथिली- अनार (कहानी-संग्रह) नारायणजी
12 मलयालम अल्गोरिथांगाळुडे नाडु (उपन्यास) उन्नी अम्मायंबलम,
13 मणिपुरी - मालेम अतिया (उपन्यास) - क्षेत्रीमायुम सुबदानि
14 मराठी- समशेर आणि भूतबंगला (उपन्यास)-भारत सासणे
15 नेपाली- देश र फुच्चे (कविता-संग्रह): वसन्त थापा
16 ओड़िया- गप कलिका (कहानी-संग्रह): मानस रंजन सामल,
17 पंजाबी- मैं जलियांवाला बाग बोलदा हां (नाटक): कुलदीप सिंह दीप
18 राजस्थानी -म्हारी ढाणी (कविता-संग्रह): प्रहलाद सिंह 'झोरड़ा'
19 संस्कृत- बुभुक्षित: काक: (कहानी-संग्रह) : हर्षदेव माधव
20 संताली - मिरु आरंग (कविता-संग्रह) : दुगई टुडू
21 सिंधी- दोस्तां जी दोस्ती (कहानी-संग्रह) : लाल होटचंदाणी 'लाचार'
22 तमिल - थानवियिन पिरान्थनाल (कहानी-संग्रह) : युमा वासुकि
23 तेलुगु- मायालोक (उपन्यास): पी. चन्द्रशेखर आजाद
24 उर्दू -बर्फ का देस अंटार्कटिका (कहानी-संग्रह) : शम्सुल इस्लाम फारूकी शामिल हैं।

गौरव पाण्डेय को युवा साहित्य पुरस्कार

नई दिल्ली @ पत्रिका. साहित्य अकादमी ने शनिवार को वर्ष 2024 के लिए युवा साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की जिसमें 23 युवा लेखक शामिल हैं।

साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीवास्तव ने बताया कि हिंदी के लिए युवा पुरस्कार गौरव पाण्डेय के कविता संग्रह 'स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी' को प्रदान किया गया है। अंग्रेजी के लिए के. वैशाली की पुस्तक 'होमलेस ग्रोइंग अप लेसबियन एंड डिस्लेक्सिक इन इंडिया', पंजाबी के लिए रणधीर के कविता संग्रह 'खत जो लिखणो रह गए', राजस्थानी के लिए सोनाली सुथार के कविता संग्रह 'सुध सोधूं जग आंगणै' तथा उर्दू के लिए जावेद अंबर मिस्बाही के कहानी संग्रह 'स्टेपनी' को युवा साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

यूक्रेन के लिए शांति सम्मेलन : स्विट्जरलैंड में जुटे वैश्विक नेता, रूस के मित्र देश भी

27 महीने से जारी युद्ध की तबाही को रोकने के लिए जुटे 90 से ज्यादा देश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बर्न. पिछले 27 महीने से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए शनिवार को स्विट्जरलैंड में दुनिया के 90 से अधिक देशों के प्रतिनिधि पहुंचे। इनमें अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों सहित इटली, ब्रिटेन, भारत, कनाडा और जापान के नेता शामिल हैं।

सम्मेलन में रूस भी आमंत्रित था, लेकिन उसने वक्त की बर्बादी कहकर आने से इनकार कर दिया। चीन ने भी ऐन वक्त पर आने से मना कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि सम्मेलन को कमजोर करने के लिए चीन, रूस की मदद कर रहा है। यूक्रेन की पहल पर हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना है। इनमें उन देशों को भी आमंत्रित किया गया है, जिनके रूस से अच्छे संबंध हैं। इनमें भारत, तुर्की और दक्षिण अफ्रीका प्रमुख हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो फरवरी 2022 से जारी युद्ध में अब तक 11 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 20 हजार के करीब घायल हुए हैं। हालांकि वास्तविक हताहतों की संख्या इससे काफी ज्यादा बताई जा रही है।

आओ मिलकर निकालें शांति का रास्ता...

ल्यूसर्न में जेलेंस्की ने अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का स्वागत किया।

दो वर्ष में 175 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन

एक शोध में सामने आया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दो वर्षों की जलवायु लागत 175 देशों की ओर से वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से भी ज्यादा थी। युद्ध आधारित जलवायु प्रभावों को लेकर अब तक के सबसे बड़े विश्लेषण में सामने आया कि रूस के हमले से 175 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड पैदा हुआ। इसमें सैन्य हमले, उड़ानें, पलायन के अलावा भावी पुनर्निर्माण से जुड़ी कार्बन लागत भी है। कार्बन की यह मात्रा एक वर्ष में 9 करोड़ कार चलाने के बराबर है। यह नीदरलैंड, वेनेजुएला और कुवैत आदि देशों में उत्सर्जित कार्बन के बराबर है।

युद्ध से दोनों तरफ तबाही

152 ***अरब डॉलर का नुकसान यूक्रेन को।*** 486 अरब डॉलर चाहिए पुनर्निर्माण और नुकसान की भरपाई के लिए।

28% ***घटकर 425.1 अरब डॉलर रह गया है रूस का निर्यात,*** *पिछले वर्ष 588.3 अरब डॉलर था।*

रूस ने कहा, यूक्रेन शर्तें मान ले तो युद्ध रुक जाएगा

सम्मेलन शुरू होने से एक दिन पहले शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की शर्तें दोहराई। पहली शर्त यूक्रेन नाटो में शामिल न होने की सहमति दे। दूसरी शर्त यूक्रेन उन चार प्रांतों को रूस को सौंप दे, जिन पर उसका दावा है। ये प्रांत हैं दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरजिया। इतना ही नहीं पुतिन ने यूक्रेन को क्रीमिया पर भी दावा छोड़ने को कहा है, जिस पर 2014 में रूस ने कब्जा किया था। पुतिन ने कहा, इन चारों प्रांतों से यूक्रेन अपनी सेनाओं को बुला ले और नाटो में शामिल होने का इरादा छोड़ दे तो उसी पल संघर्ष विराम के लिए वार्ता शुरू हो जाएगी।

क्या चाहता है यूक्रेन

यूक्रेन पीस समिट के लिए जेलेंस्की ने 10 पॉइंट का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें यूक्रेन से रूसी सेना की वापसी और क्रीमिया समेत उन क्षेत्रों को भी आजाद करने की मांग रखी गई है, जिसपर उसने कब्जा कर रखा है। रूस, यूक्रेन के 9 फीसदी हिस्से पर अपना कब्जा मानता है।

पक्ष-विपक्ष सभी में बड़ी 'फैन फॉलोइंग'

संवाद से बिगड़ी बात भी बना ले जाते हैं राजनाथ सिंह

चेहरा और चुनौती

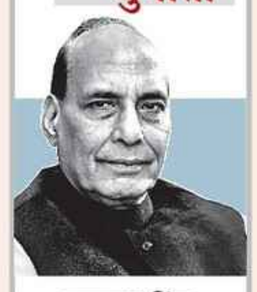

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. मोदी 3.0 में सबसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और चार बार के सांसद राजनाथ सिंह को लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। राजनाथ पुरानी पीढ़ी के उन बिरले नेताओं में हैं, जिनकी पक्ष-विपक्ष सभी में बराबर 'फैन फॉलोइंग' है। वे सबसे सुलझे हुए और संतुलन साधने वाले नेताओं में से एक हैं। यही वजह है कि अटल-आडवाणी के दौर वाली सरकार में भी वे प्रभावी रहे और आज मोदी के दौर में भी अपना वजूद मजबूत बनाए रखते हुए वरिष्ठता में नंबर 2 पर हैं। सभी दलों से संवाद कौशल में माहिर होने के कारण गठबंधन की सरकार में उनका महत्त्व बढ़ा है। रक्षामंत्री के दूसरे कार्यकाल में उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं।

उत्तर प्रदेश के चंदौली के भाभोरा गांव में 1951 में जन्मे राजनाथ 13 वर्ष की आयु से ही आरएसएस की शाखाओं में जाने लगे थे। फिजिक्स से एमएससी करने के बाद मिर्जापुर के केबी डिग्री कॉलेज में पढ़ाने लगे। लेकिन, संघ और जनसंघ से नाता बना रहा। 1974 में मुख्यधारा की राजनीति में उतरे तो इमरजेंसी में दो साल जेल में रहे। 1977 में यूपी से पहली बार विधायक बने और 1991 में भाजपा की कल्याण सिंह सरकार में शिक्षा मंत्री बने तो नकल कानून से नकल माफिया की कमर तोड़कर तहलका मचा दिया था।

हाईवे डवलपमेंट, किसान कॉल सेंटर लाए

वे यूपी के सीएम भी रहे तो अटल सरकार में केंद्रीय मंत्री भी। केंद्रीय भूतल मंत्री रहते हुए उन्होंने नेशनल हाईवे डवलपमेंट प्रोग्राम धरातल पर उतारा। 2003 में कृषि मंत्री के तौर पर किसान काल सेंटर व कृषि बीमा योजना लागू की। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए 2007 में पार्टी में 33% महिला आरक्षण लागू किया। उनके पार्टी अध्यक्ष दौर में भाजपा ने 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। गृहमंत्री रहते हुए 2015 में पैरामिलिट्री में महिला आरक्षण भी लागू किया।

रक्षा निर्यात का बनाया रेकॉर्ड

मेक इन इंडिया के तहत रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने राजनाथ ने अगस्त 2020 में 101 व मई 2021 में 108 सैन्य उपकरणों पर प्रतिबंध लगाया। इससे उपकरणों का उत्पादन मिशन मोड में चला, वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपए पहुंच गया।

आगे कई चुनौतियां

- विवादित अग्निपथ स्कीम में सुधार
- तीनों सेनाओं का तेजी से आधुनिकीकरण
- सीमा पार से आंतकवाद का मुकाबला
- एलएसी पर चीन के साथ चल रहे तनाव को खत्म करना
- चीन से लगी सीमाओं पर शांति बरकरार रखना
- रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) का पुनर्गठन
- थिएटर कमांड की स्थापना

हरियाणा

मेवात में गौतस्करों ने मारी युवक को गोली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नूंह. हरियाणा के फिरोजपुर झिरका के शेखपुरा गांव के पास गौतस्करों ने एक गौरक्षक रेवाड़ी जिले के सोनू सरपंच पर गोली चला दी। उसे गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से आक्रोशित लोगों ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। इस बीच पुलिस ने तीन गौतस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि तस्कर राजस्थान से आए थे। शनिवार तड़के गौरक्षकों की टीम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर गौ तस्करों की पिकअप का पीछा किया। चोपता गांव के पास जीप पलट गई। एक गौतस्कर ने सोनू को पेट में गोली मार दी।

हज यात्रा: अराफात की पहाड़ी पर पहुंचे लाखों हाजी, मांगी दुआएं

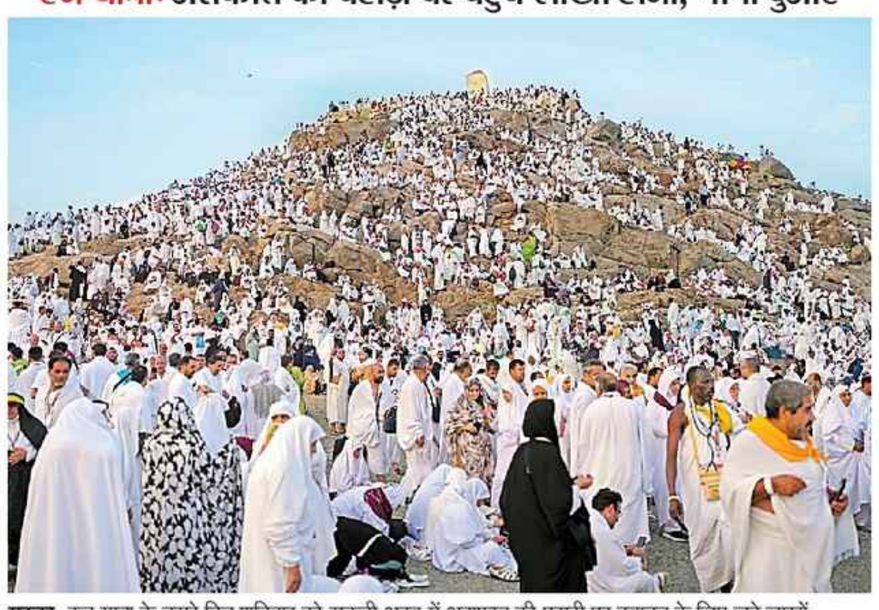

मक्का. हज यात्रा के दूसरे दिन शनिवार को सऊदी अरब में अराफात की पहाड़ी पर इबादत के लिए जुटे लाखों तीर्थयात्री। हज यात्रा का यह बहुत महत्त्वपूर्ण पडाव है। माना जाता है कि यहां पैगम्बर ने अपना अंतिम उपदेश दिया था।

रूस **यूक्रेन की गोलाबारी में चार लोगों की मौत**

मॉस्को @पत्रिका. रूस के बेलगोरोड क्षेत्र के शेबेकिनो शहर में यूक्रेन की गोलाबारी में चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। बेलगोरोड के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि गोलाबारी के कारण करीब 20 अपार्टमेंट क्षतिग्रस्त हो गए।

मानहानि मामले में रजत शर्मा को कोर्ट से राहत

नई दिल्ली @पत्रिका. दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्रकार रजत शर्मा को उनकी मानहानि के मुकदमे में अंतरिम राहत देते हुए कांग्रेस नेताओं रागिनी नायक, जयराम रमेश और पवन खेड़ा द्वारा किए गए ट्वीट हटाने का आदेश दिया। शर्मा के पक्ष में एकपक्षीय अंतरिम निषेधाज्ञा देते हुए जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने आदेश दिया कि वे उन ट्वीट को हटा लें, जिनमें आरोप लगाया गया है कि रजत शर्मा ने ऑन एयर रागिनी नायक के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था।

सूरत में एक ही परिवार के चार लोगों की रहस्यमय हालात में मौत

सूरत @ पत्रिका. गुजरात के सूरत शहर के जहांगीरपुरा क्षेत्र के एक फ्लैट में शनिवार सुबह एक परिवार के चार लोग रहस्यमय हालात में मृत पाए गए। मृतकों में एक पुरुष व तीन महिलाएं हैं। प्राथमिक जांच में चारों की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया, लेकिन कमरे में कॉर्बन मोनोऑक्साइड फैलने से उनकी मौत होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मकान मालिक जसुबेन की बहनें और बहनोई शुरु वार को उनसे मिलने आए थे। रात को खाना खाने के बाद चारों सो गए। सुबह जसुबेन का बेटा चाय के लिए पूछने आया, तो अंदर का दृश्य देख कर चौंक गया। चारों की उम्र 55 से 60 वर्ष के बीच थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया, फ्लैट के सभी खिड़की दरवाजे बंद थे, एयरकंडीशनर और बाथरूम में लगा गीजर चालू था। आशंका है कि गीजर से फ्लैट में कॉर्बन मोनोऑक्साइड फैली होगी और उनकी मौत हो गई होगी। कॉर्बन मोनोऑक्साइड के प्रभाव से सोचने-समझने की शक्ति भी खत्म हो जाती है, जिसकी वजह से वे कुछ समझ ही नहीं पाए।

डॉक्टरों ने कॉज ऑफ डेथ का प्रमाण-पत्र अभी नहीं दिया है। जनकी जांच जारी हैं, लेकिन आशंका गैस पॉइजनिंग की जताई है। - **एचबी पटेल** (इंचार्ज पुलिस निरीक्षक, जहांगीरपुरा)

डरें नहीं, बस लक्ष्य पर नजर रखें, जीत आपकी होगी

SUNDAY GUEST EDITOR
संडे गेस्ट एडिटर
@वुमन

सोच यह: अपने सपनों की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

सुझाव भेजें
sunday@in.patrika.com

श्वेता परमार, संडे गेस्ट एडिटर
patrika.com

वडोदरा. कैम्प में जब स्काइडाइविंग के लिए गई तो मुझे एकबारगी बहुत डर लगा। मैंने ठान लिया कि इस डर को दूर भगाना है। मैंने तय किया कि अब स्काइडाइविंग में जाना है। मां को मनाना आसान काम नहीं था। पर उन्हें मनाया और यूरोप की पहली ट्रिप की। ट्रेनिंग कर स्काइडाइविंग के लिए लाइसेंस लिया। जिस दिन वीजा खत्म होने वाला था। उसके एक दिन पहले ही अपनी ट्रेनिंग की अंतिम परीक्षा पास की। मेरा मानना है कि जीवन में कुछ करना है तो डरें नहीं, लक्ष्य पर नजर रखें, जीत आपकी ही होगी।

श्वेता परमार
स्काइडाइवर

पिता से ही मिली सीख

मेरे पिता हमेशा एक वॉरियर की तरह जीए। वह भले ही हमारे साथ नहीं है लेकिन उनकी सीख हमारे साथ है। क्योंकि उन्होंने मां को और मुझे सही के लिए लड़ना सिखाया। आज जब समाज कोई भी सवाल उठाता है तो मेरी मां हिम्मत से जवाब देती हैं और मुझसे कहती हैं कि तुम बस अपने सपने पूरे करो।

संतुष्टि वाला पल: मेरे लिए सबसे संतुष्टि वाला पल, तब होता है जब किसी बच्ची के पैरेंट्स स्काइडाइविंग की अनुमति देते हैं। तब लगता है कि मैंने कुछ हासिल किया है। एक बच्ची सरोज, जिसे परिवार से अनुमति नहीं मिल रही थी, लेकिन मुझसे बात करवाने के बाद उसके पैरेंट्स माने और आज सरोज यंगेस्ट फीमेल स्काइडाइवर है।

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन। सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी"